दिव्य आकाश

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

सुविचार

लरजते होंठों पर मुस्कान लाएं
यही असली मानव सेवा है,
यही मानवता है।

वर्ष-17 अंक- 08 | कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 29 मई से 04 जून 2026 | पृष्ठ - 8, रू. 3:00

बंगाल में बॉर्डर पर फेंसिंग लगाने पहुंची बीएसएफ

स्थानीय बोले- अब चैन से सो सकेंगे, बांग्लादेशी हमारी फसल नहीं काट पाएंगे

कोलकाता, एजेंसी।

पश्चिम बंगाल बॉर्डर का 600 किलोमीटर का एक हिस्सा ऐसा है, जहां बांग्लादेश के साथ सीमा पूरी तरह खुली है। कोई फेंसिंग नहीं है। यहां बीते दिनों जब बीएसएफ की टीम बॉर्डर नापने के लिए पहुंची तो गांव वालों ने मिठाइयां बांटी। यह इलाका है मुर्शिदाबाद जिले के जलंगी बाजार में जीरो लाइन पर बसा सकारपाड़ा गांव। 4 हजार की आबादी और 2500 मतदाता। इनमें 95% लोग खेती पर निर्भर हैं। गांव का भूगोल बेहद संवेदनशील है। घर खत्म होते ही खेत आ जाते हैं और खेत खत्म होते ही बांग्लादेश। ग्राम पंचायत सदस्य पिंटू मंडल का घर गांव में सबसे आखिर में है। परिवार के पास 30 बीघा जमीन है। स्थानीय पिंटू मंडल ने बताया कि हमें शाम 5 बजे के बाद अपने खेतों में जाने की अनुमति नहीं है, लेकिन बांग्लादेश के लोग कभी भी हमारे खेतों में घुस आते हैं और फसलें काटकर ले जाते हैं। बीते 30 साल में ऐसा कोई भी महीना नहीं बीता, जब उनसे विवाद न हुआ हो, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा, क्योंकि बीएसएफ ने फेंसिंग लगानी शुरू कर दी है। वहां से जैसे कोई हरकत होती, जवान माइक से चेतावनी दे देते।

मोदी बोले-दो दिन में 100m का नेशनल-रिकॉर्ड तीन बार टूटा:गर्मी मिटाने के लिए देशी पेय पीते रहें, नीदरलैंड से 1000 साल पुरानी ताम्र पट्टिकाएं लाए

नई दिल्ली, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम में गर्मी को लेकर बात की। पीएम ने कहा- हमारे यहां गर्मी से लड़ने का तरीका कई बार रसोई में भी मिलता है। आपने भी देखा होगा जैसे-जैसे गर्मी बढ़ती है, वैसे-वैसे घर की रसोई का स्वाद बदल जाता है।

पीएम ने कार्यक्रम में इस वक्त देश के दो चर्चित एथलीट की भी बात की। पीएम ने कहा- एक इवेंट जिसकी देशभर में बहुत चर्चा हो रही है, वह है 100 मीटर की रेस। महज दो दिनों के भीतर मेंस 100 मीटर रेस में नेशनल रिकॉर्ड तीन बार टूटा। जिन दो एथलीट्स ने ये कमाल दिखाया है वे हैं- गुरिंदरवीर सिंह और अनिमेष कुजूर।

दरअसल गुरिंदरवीर सिंह ने 23 मई को रांची के बिरसा मुंडा स्टेडियम में आयोजित फेडरेशन कप सीनियर नेशनल एथलेटिक्स टूर्नामेंट की पुरुषों की 100 मीटर रेस 10.09 सेकेंड में पूरी की। वे भारत के सबसे तेज धावक बने। गुरिंदरवीर ने अपने प्रतिद्वंद्वी अनिमेष कुजूर को पीछे छोड़ा। पहले यह रिकॉर्ड अनिमेष के नाम था।

गर्मी में देशी पेय जल पीते रहें

देशी पेय से आप भी परिचित हैं, अगर आप उत्तर भारत में जाएंगे तो काफी जगह आपको मिलेगा आम पन्ना, कच्चे आम का स्वाद, और गर्मी से राहत भी। पंजाब-हरियाणा जाइए तो लस्सी मिल जाएगी। राजस्थान और गुजरात में छाछ, जैसे हर खाने की साथी बन जाती है।

बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश में सत्तू का शरबत, उसकी तो बात ही क्या है - पेट भी भरे, ताकत भी दे। कोंकण और गोवा में कोकम शरबत, सोल कढ़ी। दक्षिण भारत में पानकम, नीर मोर, सम्बारम और ओडिशा में बेल पना, वो सिर्फ पेय नहीं, भारत के अलग-अलग क्षेत्रों की परंपरा का हिस्सा है।

गर्मी में आम खुशबू हर घर में

गर्मी आते ही एक और चर्चा हर घर में शुरु हो जाती है और वो है आम। हर इलाके का अपना आम, अपना स्वाद, अपनी खुशबू होती है। महाराष्ट्र और कोंकण का हापुस, अल्फांसो, गुजरात का केसर यह तो आमरस की जान है। उत्तर प्रदेश का दशहरी और मेरी काशी का लंगड़ा।

दक्षिण भारत जाइए, तो बंगनपल्ली, तोतापुरी, नीलम, मलगोवा, बंगाल का हिमसागर, ओडिशा और आंध्र प्रदेश का सुवर्णरखा। यानी जगह बदलती है, आम का रूप-रंग और उसका स्वाद भी बदल जाता है। साथियों आम की ये यात्रा, अब गांव से ग्लोबल मार्केट तक भी पहुंच रही है। मैं आम की पैदावार से जुड़े अपने किसान भाई-बहनों की प्रशंसा करूंगा। आप देश की कृषि अर्थव्यवस्था के लिए आम किसान नहीं बहुत विशेष हैं।

तमिलनाडु स्कूल में सैनिकों के लिए फंड जुटाया जाता है

पिछले महीने तमिलनाडु के नागरकोइल में मेरी मुलाकात एक टीचर से हुई। करीब तीन दशक पहले भी मैं उनसे मिला था। मैं बात कर रहा हूं, गिरिजा अम्मा जी की। गिरिजा अम्मा जी करीब 15 स्कूल चलाती हैं। इनमें चेन्नई का जयगोपाल गरोडिया हिन्दू विद्यालय बहुत प्रमुख है। उनकी देशभक्ति की भावना हर भारतवासी को प्रेरित करने वाली है।

उन्होंने 'मन की बात' से प्रेरणा लेकर देश के अनेक सैनिकों के लिए योगदान का संकल्प लिया। इसके लिए उन्होंने अपने सभी स्कूलों के स्टूडेंट्स को प्रेरित किया। उन्होंने बच्चों से कहा कि वे वीर जवानों के लिए हर दिन एक रुपया योगदान दें। यानी एक साल में हर स्टूडेंट की ओर से 365 रुपये जमा हुए। इस छोटे-छोटे योगदान से करीब 40 लाख रुपये इकट्ठा हुए।

नीदरलैंड से चोल वंश की ताम्र पट्टिकाएं लाई गईं

बीते दिनों मुझे नीदरलैंड जाने का अवसर मिला। वहां एक विशेष समारोह में चोला काल की प्राचीन ताम्र पट्टिकाएं भारत को वापस सौंपी गईं। उस कार्यक्रम में नीदरलैंड के प्रधानमंत्री भी मौजूद थे। इन ताम्र पट्टिकाओं को लेकर मुझे देश-विदेश से लगातार मैसेज मिल रहे हैं। लोग खुशी जता रहे हैं।

इन ताम्र पट्टिकाओं को लेकर लोगों में काफी जिज्ञासा भी है। इनमें 21 बड़ी और तीन छोटी ताम्र पट्टिकाएं हैं। ये मुख्य रूप से राजा राजेंद्र चोल-प्रथम द्वारा अपने पिता राजा राजराजा चोल के एक वचन को पूरा करने से जुड़ी हैं। इनमें आनइमंगलम् गांव को एक बौद्ध विहार को दान देने का उल्लेख है। इन ताम्र पट्टिकाओं में चोल वंश की उपलब्धियों का भी वर्णन मिलता है।

विशेषज्ञ मानते हैं कि ये इन्क्रिप्शन 1000 साल से ज्यादा पुराने हैं। ये ताम्र पट्टिकाएं प्राचीन ब्राह्मी लिपि और पाली भाषा में लिखी गई हैं। इनसे उस समय की शासन-व्यवस्था, धर्म और संस्कृति के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है।

देशभर में एस्ट्रोनॉमी क्लब तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं

हम भारतीयों में खगोल विज्ञान यानी एस्ट्रोनॉमी को लेकर हमेशा विशेष आकर्षण रहा है। नेविगेशन हो, पंचांग हो, या हमारे पर्व-त्योहार इन सबका संबंध आकाश और तारों से रहा है। युवाओं में भी इसको लेकर काफी इंट्रेस्ट है।

देशभर में एस्ट्रोनॉमी क्लब तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। मुझे बेंगलुरु एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी के बारे में जानकारी मिली। यहां ऑब्जर्वेशनल सेशन आयोजित किए जाते हैं।'खगोल मण्डल' नाम की एक टीम ने 30 घंटे का एक बहुत इनोवेटिव कोर्स शुरू किया है। ऐसे ही केरलम और गुजरात में भी एस्ट्रोनॉमी इवेंट आयोजित किए जाते हैं।

दीपका में भाजपा के पक्ष में लहर, ऋषि सिदार को मिल रहा जनता का समर्थन और आशीर्वाद

कोरबा /दीपका (दिव्य आकाश)।

नगर पालिका परिषद दीपका के वार्ड क्रमांक-15 के उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने जबरदस्त प्रचार करते हुए भाजपा प्रत्याशी ऋषि सिदार के समर्थन में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने वार्डवासियों से घर-घर संपर्क कर भाजपा प्रत्याशी को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की। जनसंपर्क के दौरान वार्डवासियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं तथा प्रदेश में हो रहे विकास कार्यों पर विश्वास जताते हुए भाजपा प्रत्याशी ऋषि सिदार के पक्ष में मतदान करने का भरोसा दिलाया। भाजपा नेताओं ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की जनहितकारी नीतियों का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है, जिससे जनता का विश्वास लगातार भाजपा के प्रति मजबूत हुआ है। इस अवसर पर केबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन, भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी, विधायक प्रेमचंद पटेल, महापौर संजू देवी राजपूत, सह संभाग प्रभारी डॉ. राजीव सिंह, खाद्य आयोग के पूर्व अध्यक्ष ज्योतिनंद दुबे, पूर्व महापौर जोगेश लांबा, पूर्व जिलाध्यक्ष मनोज शर्मा, नगर पालिका दीपका के अध्यक्ष राजेंद्र राजपूत, जिला महामंत्री संजय शर्मा, अजय विश्वकर्मा, दीपका मंडल के प्रभारी योगेश जैन, मंडल अध्यक्ष राजू प्रजापति सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

निर्दलीय पार्षद धीरेन्द्र तिवारी हुए भाजपा में शामिल

इसी दौरान भाजपा को एक और बड़ी राजनीतिक सफलता मिली। दीपका नगर पालिका परिषद के वार्ड क्रमांक-17 के निर्दलीय पार्षद धीरेन्द्र तिवारी ने भाजपा की जनहितैषी नीतियों, विकासोन्मुखी विचारधारा तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व से प्रभावित होकर भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली। केबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन व भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी ने उन्हें पार्टी का गमछा पहनाकर आत्मीय स्वागत किया। साथ ही विश्वास व्यक्त किया कि धीरेन्द्र तिवारी के पार्टी में शामिल होने से संगठन को और अधिक मजबूती मिलेगी तथा क्षेत्र में विकास एवं जनसेवा के कार्यों को नई गति प्राप्त होगी। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व भी कांग्रेस के पार्षद व पूर्व पार्षद भाजपा में शामिल हो चुके हैं, जिससे क्षेत्र की राजनीति में भाजपा की स्थिति और अधिक मजबूत होती दिखाई दे रही है।

NKM LIONS PUBLIC SCHOOL
MADWARANI, KORBA (C.G.)
(AFFILIATED TO CBSE NEW DELHI 3330422)

YOUR KIDS DESERVE THE BEST EDUCATION

NCC
SCOUT GUIDE

ADMISSION OPEN 2026-27
NUR. - 12th

FEATURES
- ✓ Certified Teachers
- ✓ Transport Facilities
- ✓ Smart Classes
- ✓ Best Education Plans
- ✓ Safe Campus (CCTV)
- ✓ Well furnished Classrooms

ACHIEVEMENT SEVEN RANKING SCHOOL
24 घंटे एम्बुलेंस की सुविधा
Transport Facility

6261297651, 8269238550 KHARHARKUDA, MADWARANI, KORBA

।। श्री गणेशम्बिकाभ्याम नमः ।। श्री धनवन्तरयै नमः ।।
आयुर्वेदिक चिकित्सा परामर्श केन्द्र
गाठिया, जोड़ों का दर्द, साईटिका, श्वास, दमा, खांसी पुराना नजला, गैस, खाज, खुजली, शुगर, बवासीर, पथरी, लिकोरियो आदि।
सीएसईबी चौक | ट्रांसपोर्ट नगर चौक | स्टेडियम रोड | मुड़ापार रोड | दु.नं.-7 शिव हर्बल अल्का काम्पलेक्स | पावरहाउस रोड
पतंजलि | श्रीश्री आयुर्वेद | बैद्यनाथ | Dabur | SNA | ZANDU

Dr. Yugesh Sharma
M.D. (N.M.) Regn. 51049/16
शराब छुड़ाने की हर्बल दवा
सभी कंपनियों के आयुर्वेदिक दवाईयों के थोक एवं चिल्हर विक्रेता
एक कदम आयुर्वेद की ओर ... स्वस्थ रहो अभियान...
शिव हर्बल मेडिकल स्टोर
शॉप नं. 07 अल्का काम्प्लेक्स, टी.पी. नगर, कोरबा (छ.ग.) मो.: 9302358945

तेज आंधी-तूफान के दौरान पेड़ की डाल गिरने से तीन युवकों की मृत्यु : कलेक्टर ने राहत सहायता हेतु दिए निर्देश

कोरबा (दिव्य आकाश)।

जिले के पाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चोरका दांड में शनिवार शाम तेज आंधी-तूफान एवं बारिश के दौरान एक दुखद दुर्घटना में तीन युवकों की मृत्यु हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मौसम खराब होने और तेज बारिश से बचने के लिए तीनों युवक एक बड़े पेड़ के नीचे रुके थे। इसी दौरान पेड़ की भारी डाल टूटकर उन पर गिर गई, जिससे उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई।

मृतकों में शिवराम टेकाम (14 वर्ष), कमलेश बड़ा (18 वर्ष) एवं दिनेश तिर्की (17 वर्ष) शामिल हैं। घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन द्वारा तत्काल आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ की गई।

घटना की जानकारी प्राप्त होने पर कलेक्टर कुणाल दुदावत ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी करते हुए मृतकों के परिजनों को राजस्व पुस्तक परिपत्र (आरबीसी) 6-4 के तहत आर्थिक सहायता प्रदान करने की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर के निर्देशानुसार तहसीलदार भूषण मंडावी, नायब तहसीलदार सुजीत पाटले एवं राजस्व विभाग की टीम ने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी तथा आवश्यक सहायता का आश्वासन प्रदान किया। उनकी उपस्थिति में चिकित्सकीय टीम द्वारा रविवार को मृतकों का पोस्टमार्टम कराया गया और शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

राजस्व अधिकारियों ने बताया कि आरबीसी 6-4 के अंतर्गत राहत सहायता प्रदान करने हेतु प्रकरण तैयार किया जा रहा है तथा आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण होते ही निर्धारित राहत राशि मृतकों के परिजनों को प्रदान की जाएगी।

जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि खराब मौसम, तेज आंधी-तूफान एवं बारिश के दौरान पेड़ों तथा असुरक्षित स्थानों के नीचे खड़े होने से बचें तथा सुरक्षा संबंधी सावधानियों का पालन करें।

एसईसीएल मुख्यालय के 13 कर्मियों को दी गयी विदाई

कोरबा/बिलासपुर (दिव्य आकाश)।

31.05.2026 को एसईसीएल मुख्यालय बिलासपुर से सेवानिवृत्त होने वाले 13 कर्मियों को मुख्यालय बिलासपुर स्थित सीएमडी कक्ष में उन्हें शाल, श्रीफल, पुष्पहार से सम्मानित कर समस्त भुगतान का चेक प्रदान कर भावभीनी विदाई दी गयी।

मुख्यालय प्रशासनिक भवन के कान्फ्रेन्स हाल में दिनांक 30.05.2025 को निदेशक तकनीकी (संचालन) एन फ्रैंकलिन जयकुमार के मुख्य आतिथ्य, निदेशक (वित्त) डारला सुनील कुमार एवं निदेशक तकनीकी (योजना/परियोजना) रमेश चन्द्र महापात्र, विभीन्न विभागाध्यक्षों, श्रमसंघ प्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों की उपस्थिति में सक्तिवेल महाप्रबंधक (ई/टी) ई/टी विभाग, एके पटनायक महाप्रबंधक (सिविल) सायडिंग विभाग, आरके भारत वरिष्ठ प्रबंधक (सर्वे) एमसीआर विभाग, अजय दत्ता चौधरी वरि.तक.निरीक्षक ग्रेड ए-1 गुणवत्ता विभाग, श्रीमती विनीता मसीह मेट्रन ग्रेड ए-1 इंदिरा विहार डिस्पेंसरी, प्रकाश कुमार द्विवेदी सुरक्षा उप निरीक्षक सुरक्षा विभाग, सुनील नायर सहायक सुपरवाईजर निदे. (वित्त) सचिवालय, नारायण आचार्जी सहायक सुपरवाइजर ग्रेड-सी परिवहन विभाग, बजरंग चौहान प्यून ग्रेड-एच पीएफ-पेंशन विभाग, चैतराम कुर्मी इलेक्ट्रीशियन वसंत विहार सब स्टेशन, श्रीमती अनारकली बंजारे केटेगरी-III सामग्री प्रबंधन विभाग को सेवानिवृत्ति पर विदाई दी गयी, वहीं बी. एन. झा महाप्रबंधक (खनन) निदेशक तकनीकी संचालन सचिवालय, मनोज मिश्रा वरिष्ठ प्रबंधक (सर्वे) एसईसीएल भोपाल कार्यालय भी दिनांक 31.05.2026 को सेवानिवृत्त हो रहे हैं ।

इस अवसर पर शीर्ष प्रबंधन ने अपने-अपने उद्बोधन में कहा कि सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी-कर्मचारी के योगदान, कार्यकौशल से ही कम्पनी सफलता के मुकाम पर पहुँची है। सेवानिवृत्त कर्मियों के योगदान को सदैव स्मरण किया जाएगा। अंत में उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मियों के सपरिवार उज्जवल भविष्य की ईश्वर से कामना की। सेवानिवृत्त अधिकारियों-कर्मचारियों ने कम्पनी के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि यहां के कर्मचारियों में कार्य के प्रति बहुत ही निष्ठा है। यहाँ के अधिकारी-कर्मचारी कंधे से कंधा मिलाकर साथ में कार्य करते हैं। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त कर्मियों का परिचय पढ़ते हुए सफलतापूर्वक उद्घोषणा का दायित्व प्रबंधक (राजभाषा) श्रीमती सविता निर्मलकर ने निभाया।

लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की 301वीं जयंती पर कोसाबाड़ी मंडल का भव्य आयोजन, श्रद्धा और सेवा भाव के साथ किया गया स्मरण

प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर भाजपा कार्यकर्ताओं ने लिया लोकसेवा और राष्ट्र निर्माण का संकल्प, स्वच्छता अभियान से दिया सामाजिक संदेश

कोरबा (दिव्य आकाश)।

भारतीय जनता पार्टी कोसाबाड़ी मंडल द्वारा लोकमाता महारानी अहिल्याबाई होलकर की 301वीं जयंती के अवसर पर अहिल्याबाई होलकर कन्वेंशन हॉल परिसर में गरिमामय एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं सामाजिक जनों ने लोकमाता की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान के साथ हुआ। भाजपा कार्यकर्ताओं ने कन्वेंशन हॉल परिसर की साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। इसके पश्चात लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पण कर उनके लोककल्याणकारी जीवन, सुशासन, न्यायप्रियता और जनसेवा के अद्वितीय योगदान का स्मरण किया गया।

कार्यक्रम में पूर्व महापौर जोगेश लांबा एवं वरिष्ठ भाजपा नेत्री मंजू सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहीं। आयोजन की अध्यक्षता कोसाबाड़ी मंडल अध्यक्ष डॉ. राजेश राठौर ने की। अपने उद्बोधन में वक्ताओं ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होलकर भारतीय इतिहास की ऐसी महान शासिका थीं, जिन्होंने शासन को जनकल्याण का माध्यम बनाया और धर्म, संस्कृति, शिक्षा तथा समाज सेवा के क्षेत्र में अमिट योगदान दिया। उनका जीवन आज भी समाज और राष्ट्र के लिए प्रेरणा का प्रकाश स्तंभ है।

वक्ताओं ने कहा कि अहिल्याबाई होलकर ने देशभर में मंदिरों, धर्मशालाओं, घाटों और जनहित के अनेक कार्यों के माध्यम से भारतीय संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। उनका त्याग, सेवा और समर्पण आज भी प्रत्येक भारतीय के लिए अनुकरणीय है।

इस अवसर पर मंडल पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं में अनिल वस्त्रकार, सरस्वती पटेल, तेरस दास दीवान, गोपलाल राठिया, सरिता कौशिक, पवन सिन्हा, मदन गोपाल साहू, मोंटी पटेल, आशीष सूर्यवंशी, अमित पटेल, नारायण ठाकुर, बद्री वस्त्रकार, रितेश साहू, चंचला राठौर, सौरभ दुबे, भजन सिंह कंवर, बलदेव दीवान, मिलन दास, वीरेंद्र नायक, करन राजपाल, विवेक राजवाड़े, बसंत बैरागी, केया सेन, मधु मिश्रा, प्रकाश महंत एवं फिंगू यादव सहित बड़ी संख्या में भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समाजसेवी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थितजनों ने लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के आदर्शों पर चलने, समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाने तथा राष्ट्रहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। पूरे आयोजन में श्रद्धा, संस्कार और राष्ट्रभक्ति का वातावरण देखने को मिला।

लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की जयंती पर कोसाबाड़ी मंडल का यह आयोजन केवल श्रद्धांजलि कार्यक्रम नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार और समाज निर्माण के मूल्यों को आत्मसात करने का प्रेरक अभियान बनकर उभरा।

अहिल्याबाई होल्कर जयंती एवं पुरुषोत्तम मास पर जीजामाता महिला मंडल का सेवा अभियान

तुलजा भवानी मंदिर और मातृछाया के बच्चों को किया सामग्री दान, समाजसेवा का दिया संदेश

बिलासपुर (दिव्य आकाश)।

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की जयंती एवं पवित्र पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में जीजामाता महिला मंडल द्वारा सामाजिक सेवा और जनकल्याण का अनुकरणीय कार्य किया गया। मंडल की महिलाओं ने कूदूदंड स्थित आई तुलजाभवानी मंदिर के पंडित जी को दान स्वरूप आवश्यक सामग्री प्रदान की तथा मंदिर परिसर के समीप स्थित मातृछाया संस्थान में बच्चों की जरूरतों की सामग्री भेंट कर सेवा और संवेदना का परिचय दिया।

यह पुनीत कार्य जीजामाता महिला मंडल की सभी सदस्याओं के सहयोग से संपन्न हुआ। मंडल की बहनों ने स्वेच्छा से आर्थिक सहयोग प्रदान कर इस अभियान में उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद वर्गों तक सहायता पहुंचाने के साथ-साथ सेवा, समर्पण और मानवता के मूल्यों को बढ़ावा देना रहा।

इस अवसर पर मंडल की अध्यक्ष राखी जाधव ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर का जीवन सेवा, धर्म और जनकल्याण का प्रेरणास्रोत है। उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर जीजामाता महिला मंडल निरंतर समाजोपयोगी कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि पुरुषोत्तम मास में किए गए दान और सेवा कार्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के साथ मानवीय संवेदनाओं को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने सभी सहयोगी सदस्याओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प दोहराया।

कार्यक्रम में अध्यक्ष राखी जाधव के साथ मनीषा भोंसले, रानी जाधव, प्रतिमा घाडगे, किरण मुले, ऋचा ठाकरे, प्रीति शिंदे एवं अंजना फांसे सहित मंडल की अनेक सदस्याएं उपस्थित रहीं।

अंत में जीजामाता महिला मंडल ने इस सेवा अभियान को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी सदस्यों एवं शुभचिंतकों के प्रति आभार प्रकट किया।

खरीफ वर्ष 2026 के लिए खाद एवं बीज का पर्याप्त भंडारण

कोरबा (दिव्य आकाश)।

भारत सरकार एवं राज्य शासन के निर्देशानुसार कृषकों को गुणवत्तायुक्त एवं पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। कृषि विभाग के उप संचालक डी.पी.एस. कंवर ने बताया कि जिले में खाद एवं बीज पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं तथा किसी प्रकार की कमी नहीं है।

उन्होंने बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा सतत कृषि विकास हेतु एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन की अनुशंसा के अनुसार रासायनिक उर्वरकों के उपयोग के साथ-साथ जैव उर्वरक, जैविक खाद एवं हरी खाद जैसे वैकल्पिक उपायों को भी सम्मिलित किया गया है। इसके लिए कृषकों को संतुलित एवं समानुपातिक मात्रा में उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने संबंधी दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

संतुलित उर्वरक उपयोग को प्रोत्साहित करने, कृषि लागत में कमी लाने, भूमि की उर्वरता शक्ति को सुरक्षित रखने, रासायनिक उर्वरकों के साथ अन्य वैकल्पिक उपायों को बढ़ावा देने, उर्वरकों के कृषि के अतिरिक्त अन्य कार्यों में उपयोग को रोकने तथा कृषकों को गुणवत्तायुक्त उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिले की सहकारी समितियों में गत वर्ष की पूर्ति के आधार पर 80 प्रतिशत यूरिया एवं 60 प्रतिशत डीएपी का भंडारण कराया जा रहा है।

यूरिया की शेष 20 प्रतिशत मात्रा अन्य वैकल्पिक उर्वरकों अथवा नैनो यूरिया के रूप में प्रदाय की जाएगी। इसी प्रकार डीएपी की शेष 40 प्रतिशत मात्रा अन्य वैकल्पिक एनपीके उर्वरकों अथवा नैनो डीएपी के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। किसी भी परिस्थिति में कृषकों को नैनो उर्वरक लेने के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा। यह पूर्णतः वैकल्पिक रहेगा।

दिव्य आकाश

सफलता के 16 वर्ष पूर्ण
16th
दिव्य आकाश

असतो मा सद्गमय

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

सुविचार
जीवन को टुकड़ों में नहीं बांटा जा सकता, उसका पूर्णता में ही विचार किया जाना चाहिए।
- अटल बिहारी वाजपेयी

कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 29 मई से 04 जून 2026

आरसीबी लगातार दूसरी बार आईपीएल चैंपियन

गुजरात को 5 विकेट से हराया, कोहली ने छक्का लगाकर जीत दिलाई, रसिख को 3 विकेट

अहमदाबाद, एजेंसी।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने लगातार दूसरी बार आईपीएल जीत लिया है। उसने रविवार को फाइनल में गुजरात टाइटंस को 5 विकेट से हराया। विराट कोहली ने 18वें ओवर की आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। कोहली 75 रन पर नाबाद लौटे। विराट को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

बेंगलुरु ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। गुजरात ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 155 रन बनाए। 156 रन का टारगेट बेंगलुरु ने 18 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया।

बेंगलुरु ने 2025 में इसी मैदान पर पंजाब किंग्स को हराकर खिताब जीता था। वह लगातार दो आईपीएल ट्रॉफी जीतने वाली तीसरी टीम बन गई है। चेन्नई सुपरकिंग्स और मुंबई इंडियंस भी ऐसा कर चुकी हैं।

सुंदर का अर्धशतक, रसिख को 3 विकेट

गुजरात टाइटंस की शुरुआत खराब रही और टीम ने 55 रन तक अपने 3 विकेट गंवा दिए थे। कप्तान शुभमन गिल (10), साई सुदर्शन (12) और निशांत सिंधु (20) जल्दी आउट हो गए। इसके बाद जोस बटलर (19) भी बड़ी पारी नहीं खेल सके। हालांकि, वॉशिंगटन सुंदर ने एक छोर संभालते हुए 37 गेंदों में नाबाद 50 रन बनाए। अरशद खान (15) व जेसन होल्डर (7) के साथ छोटी-छोटी साझेदारियां कर टीम को 20 ओवर में 155/8 तक पहुंचाया।

आरसीबी के लिए रसिख सलाम सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 27 रन देकर 3 विकेट लिए। भुवनेश्वर कुमार और जोश हेजलवुड ने 2-2 विकेट झटके, जबकि क्रुणाल पंड्या को 1 सफलता मिली।

सूर्यवंशी को ऑरेंज कैप मिला

वैभव सूर्यवंशी को ऑरेंज कैप मिला। उन्होंने 16 मैचों में 776 रन बनाए हैं, जो इस सीजन किसी भी बल्लेबाज के सबसे ज्यादा रन हैं। सूर्यवंशी के बाद गुजरात टाइटंस के शुभमन गिल (732 रन) और साई सुदर्शन (722 रन) हैं। दोनों बैटर आउट हो चुके हैं।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

बेंगलुरु-
विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, रजत पाटीदार, जितेश शर्मा, टिम डेविड, क्रुणाल पंड्या, भुवनेश्वर कुमार, रोमारियो शेफर्ड, जैकब डफी, जोश हेजलवुड और रसिख सलाम। इम्पैक्ट प्लेयर: वेंकटेश अय्यर।

गुजरात-
शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, राहुल तेवतिया, निशांत सिंधु, जेसन होल्डर, राशिद खान, कगिसो रबाडा, अरशद खान और मोहम्मद सिराज। इम्पैक्ट प्लेयर: प्रसिद्ध कृष्णा।

कोहली-वेंकटेश के बीच 62 रन की पार्टनरशिप

156 रन के टारगेट का पीछा करते हुए आरसीबी को वेंकटेश अय्यर और विराट कोहली ने तेज शुरुआत दिलाई। अय्यर ने 16 गेंदों में 32 रन बनाए, जबकि कोहली ने शुरुआत से ही पारी को संभाले रखा। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 27 बॉल में 62 रन की साझेदारी हुई। देवदत्त पडिक्कल (1), रजत पाटीदार (15) और क्रुणाल पंड्या (1) जल्दी आउट हुए, लेकिन कोहली ने दूसरे छोर से रन बनाना जारी रखा। टिम डेविड ने 17 गेंदों में 24 रन की पारी खेलकर कोहली का साथ दिया। अंत में जितेश शर्मा (11*) के साथ कोहली ने टीम को जीत तक पहुंचाया। कोहली 42 गेंदों में 75 रन बनाकर नाबाद रहे।

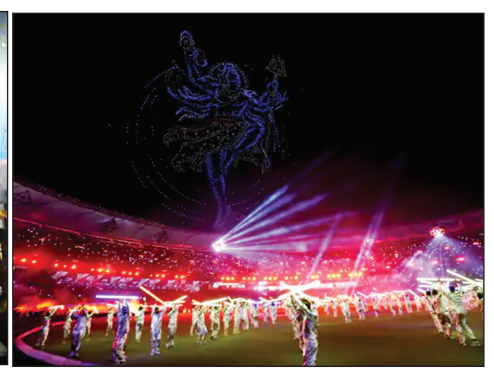

प्रेरणा:विधायक दीपेश साहू ने प्रस्तुत किया सामाजिक समरसता का आदर्श, सामूहिक विवाह में बने दूल्हा

बैलगाड़ी में निकली बारात, 21 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में, सीएम ने दिया आशीर्वाद

बेमेतरा (दिव्य आकाश)।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रविवार को बेमेतरा में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में शामिल होकर नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान किया। सामाजिक परंपराओं, वैदिक रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक उल्लास के बीच आयोजित इस समारोह में जिले के 21 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। शुभ मुहूर्त में वर-वधुओं ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सात फेरे लेकर सात जन्मों तक साथ निभाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने बेमेतरा जिले को एक महत्वपूर्ण सौगात देते हुए नर्सिंग कॉलेज की स्थापना की घोषणा भी की, जिससे जिले में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र को नई दिशा मिलेगी।

विधायक दीपेश साहू ने प्रस्तुत किया सामाजिक समरसता का आदर्श

मुख्यमंत्री श्री साय ने बेमेतरा विधायक दीपेश साहू की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने सामूहिक विवाह समारोह में स्वयं विवाह कर समाज के सामने एक प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया है। यह पहल युवाओं को सादगीपूर्ण विवाह, सामाजिक समरसता और अनावश्यक खर्चों में कमी लाने का सकारात्मक संदेश देती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे उदाहरण समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने और सामाजिक समानता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

बारिश को बताया शुभ संकेत

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किसी भी शुभ कार्य के दौरान वर्षा होना इंद्रदेव के आशीर्वाद का प्रतीक माना जाता है। उन्होंने कहा कि आज का आयोजन भी प्रकृति के आशीर्वाद से संपन्न हुआ है, जो नवदंपतियों के सुखद और समृद्ध भविष्य का शुभ संकेत है।

बैलगाड़ी में निकली बारात बनी आकर्षण का केंद्र

समारोह का एक प्रमुख आकर्षण पारंपरिक बैलगाड़ी में निकाली गई बारात रही। जनप्रतिनिधियों, स्थानीय नागरिकों और परिजनों ने उत्साहपूर्वक इसमें भाग लिया। पारंपरिक वाद्ययंत्रों, लोक-सांस्कृतिक माहौल और जनसहभागिता ने कार्यक्रम को विशेष गरिमा प्रदान की। इस आयोजन ने ग्रामीण संस्कृति और सामाजिक परंपराओं की सुंदर झलक प्रस्तुत की।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, मंत्री दयाल दास बघेल, मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, सांसद संतोष पाण्डेय, सांसद विजय बघेल, साजा विधायक ईश्वर साहू, पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा, धरसींवा विधायक अनुज शर्मा, राजिम विधायक रोहित साहू, अभनपुर विधायक इन्द्र कुमार साहू, बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला, बसना विधायक संपत अग्रवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, नवदंपतियों के परिजन एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

मन की बात में पीएम ने की छत्तीसगढ़ की प्रशंसा

मन की बात में पीएम ने छत्तीसगढ़ के युवा धावक अनिमेष कुजूर की प्रशंसा की। उन्होंने 100 मीटर दौड़ मात्र 10.15 सेकंड में पूरी कर नया रिकॉर्ड स्थापित किया है और राष्ट्रमंडल खेल 2026 के लिए क्वालीफाई कर प्रदेश तथा देश का गौरव बढ़ाया है। पीएम ने ऐतिहासिक मल्हार में ज्ञान भारतम् अभियान के अंतर्गत प्राप्त दुर्लभ ताम्र-पट्टिकाओं का उल्लेख किया।

युवाओं के लिए तकनीकी क्रांति की सौगात: मुख्यमंत्री ने दुर्ग में किया प्रदेश का पहला अत्याधुनिक आईटी पार्क का लोकार्पण

दुर्ग (दिव्य आकाश)।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दुर्ग जिले को तकनीकी विकास, नवाचार और रोजगार के क्षेत्र में बड़ी सौगात देते हुए रविवार को सिविल लाइन्स दुर्ग स्थित अत्याधुनिक आईटी पार्क का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह आईटी पार्क छत्तीसगढ़ के युवाओं के सपनों, तकनीकी क्षमता और आत्मनिर्भर भविष्य की नई शुरुआत का प्रतीक है। इस अवसर पर शिक्षामंत्री गजेन्द्र यादव, सांसद विजय बघेल, विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, विधायक ईश्वर साहू, छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष राकेश पाण्डेय सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

साय ने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को केवल रोजगार तलाशने वाला नहीं, बल्कि नवाचार और तकनीक आधारित अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करने वाला बनाना चाहती है।

सरोकार

चुनाव आयोग सशक्त होगा

27 मई को सुप्रीम कोर्ट ने अहम एवं महत्पूर्ण फैसला सुनाया और एसआईआर (विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण) को सही ठहराया, इससे चुनाव आयोग को बल मिलेगा और चुनाव आयोग और अधिक सशक्त होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग का एसआईआर आयोजित करने का निर्णय वैधानिक जनादेश के दायरे में है। सुप्रीम कोर्ट ने विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को बरकरार रखते हुए कहा कि केवल इसलिए कि यह प्रक्रिया तौर-तरीकों का सख्ती से पालन नहीं करती है, इसे मान्य नहीं किया जा सकता है। इसके अलावा सर्वोच्च न्यायालय ने निष्कर्ष निकाला कि एसआईआर वैध आधारों पर पाया गया था और यह लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम और 1960 के नियमों के अनुरूप है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के सीमित उद्देश्य से नागरिकता की जांच कर सकता है। चुनाव आयोग द्वारा नागरिकता रद्द करने का निर्णय व्यक्ति की नागरिकता पर अंतिम निर्णय नहीं हो सकता। हालांकि, चुनाव आयोग ऐसे मामलों को नागरिकता अधिनियम के तहत निर्णय हेतु केन्द्र सरकार के सक्षम अधिकारियों के पास भेज सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एसआईआर जांच न्यायिक समीक्षा के अधीन है। यदि मतदाता आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाते हैं, तो चुनाव आयोग वैधानिक ढांचे के भीतर कार्यवाही करते हुए उन्हें मतदाता सूची से बाहर कर सकता है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने याचिकाकर्ताओं की उस दलील को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि एसआईआर दरअसल घुसपैठियों को हटाने के नाम पर पीछे के दरवाजे से नागरिकता जांच करने की कोशिश है। याचिका में आरोप लगाया गया था कि चुनाव आयोग मनमाने तरीके से नागरिकता तय करने की शक्तियां अपने हाथ में ले रहा है और संसद के बनाए गए कानूनों, नियमों के साथ अपने ही मैनुअल में निर्धारित सीमाओं को अनुचित तरीके से पार कर रहा है। इस फैसले से चुनाव आयोग और सशक्त होगा।

-संपादक

बदलता इंफ्रास्ट्रक्चर, बढ़ता भारत:रायपुर-विशाखापट्टनम कॉरिडोर से खुलेगा तरक्की का द्वार

गति शक्ति और आत्मनिर्भर भारत के विजन से छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई उड़ान

भारत आज तीव्र गति से आधुनिक बुनियादी ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) और सुदृढ़ आर्थिक नेटवर्क के निर्माण की दिशा में अग्रसर है। सड़क, रेल, बंदरगाह और लॉजिस्टिक्स को एकीकृत करते हुए देश को आर्थिक रूप से अधिक सक्षम और आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास निरंतर जारी है। विकास के इसी दूरदर्शी दृष्टिकोण का एक उत्कृष्ट उदाहरण रायपुर-विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर है। यह कॉरिडोर केवल दो शहरों को जोड़ने वाली सड़क परियोजना नहीं है, बल्कि यह ष्नए भारत की नई रफ्तारष् का प्रतीक है, जो उद्योग, व्यापार, निवेश और रोजगार के नए क्षितिज खोलने जा रहा है।

मध्य-पूर्वी समुद्री तट को जोड़ने वाला महामार्ग

रायपुर-विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर देश के मध्य भाग को पूर्वी समुद्री तट से जोड़ने वाला एक अत्यंत महत्वपूर्ण आर्थिक मार्ग है। यह छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश के बीच निर्बाध कनेक्टिविटी (संपर्क) स्थापित करेगा, जिससे सड़क परिवहन, लॉजिस्टिक नेटवर्क और औद्योगिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। इस परियोजना को प्रधानमंत्री की 'गति शक्ति' और 'आत्मनिर्भर भारत' की सोच को धरातल पर उतारने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

विकास का मूलमंत्र

किसी भी राज्य या देश के विकास का सबसे मजबूत आधार उसका इंफ्रास्ट्रक्चर होता है। जहां विश्वस्तरीय सड़कें, सुगम परिवहन और अत्याधुनिक लॉजिस्टिक सुविधाएं होती हैं, वहां उद्योगों का तेजी से विस्तार होता है और निवेश आकर्षित होता है। यह कॉरिडोर माल परिवहन को अधिक तीव्र, सुरक्षित और लागत प्रभावी (कम खर्चीला) बनाएगा। इसके परिणामस्वरूप उद्योगों को कच्चा माल आसानी से उपलब्ध होगा और तैयार उत्पाद कम से कम समय में बाजार तक पहुंच सकेंगे।

चूंकि विशाखापट्टनम बंदरगाह देश के प्रमुख समुद्री द्वारों में से एक है, इसलिए इस कॉरिडोर के माध्यम से छत्तीसगढ़ को सीधे पोर्ट कनेक्टिविटी मिलेगी। इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि राज्य के उद्योगों की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक सीधी पहुंच स्थापित होगी, जिससे निर्यात को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान मिलेगी।

छत्तीसगढ़ को मिलने वाले प्रमुख लाभ

रायपुर-विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था के लिए गेम-चेंजर साबित होने वाला है। छत्तीसगढ़ खनिज संपदा, ऊर्जा संसाधनों, कृषि और वनोपज से समृद्ध राज्य है। यहाँ लौह अयस्क, कोयला, बॉक्साइट और स्टील उद्योगों की अपार संभावनाएं हैं। पूर्व में बेहतर परिवहन और लॉजिस्टिक नेटवर्क के अभाव के कारण उद्योग अपनी पूरी क्षमता का लाभ नहीं उठा पाते थे, परंतु यह कॉरिडोर इन चुनौतियों को समूल समाप्त कर देगा।

औद्योगिक विकास को प्रोत्साहन

कॉरिडोर के निर्माण से रायपुर, दुर्ग, भिलाई, धमतरी, कांकेर और जगदलपुर जैसे क्षेत्रों में नए औद्योगिक क्लस्टर्स विकसित होंगे। स्टील, सीमेंट, एल्युमिनियम, खाद्य प्रसंस्करण (फूड प्रोसेसिंग) और एमएसएमई (लघु उद्योगों) को एक नई ऊर्जा मिलेगी, जिससे घरेलू और विदेशी निवेशकों का रुझान इस क्षेत्र की ओर तेजी से बढ़ेगा।

रोजगार के नए अवसरों का सृजन

इतनी बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजना के आने से रोजगार के अवसर भी आनुपातिक रूप से बढ़ते हैं। सड़क निर्माण, वेयरहाउसिंग, लॉजिस्टिक पार्क्स, नई औद्योगिक इकाइयों और परिवहन सेवाओं के माध्यम से हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा होंगे। स्थानीय युवाओं को अपने ही क्षेत्र में जीविकोपार्जन के साधन मिलने से पलायन की समस्या पर काफी हद तक रोक लगेगी।

बस्तर क्षेत्र का कायाकल्प

यह कॉरिडोर बस्तर संभाग के लिए विशेष रूप से परिवर्तनकारी सिद्ध होगा। लंबे समय से विकास की मुख्यधारा से कटे क्षेत्रों में बेहतर सड़क और व्यापारिक संपर्क स्थापित होगा। बस्तर के बहुमूल्य वन उत्पाद, अनूठे हस्तशिल्प, कृषि उपज और लघु उद्योगों को बड़े बाजार तक पहुंच मिलेगी, जिससे आदिवासी समुदायों की आय में वृद्धि होगी और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी।

कृषि और वनोपज को सही मूल्य

छत्तीसगढ़ देश में धान के कटोरे के रूप में प्रसिद्ध है। इसके अतिरिक्त यहाँ मक्का, दलहन, फल और लघु वनोपज का भी प्रचुर मात्रा में उत्पादन होता है। बेहतर परिवहन व्यवस्था से किसानों और वनोपज संग्राहकों को अपनी उपज मंडियों तक पहुंचाने में सुगमता होगी। परिवहन लागत घटने से सीधे तौर पर किसानों का मुनाफा बढ़ेगा।

पर्यटन उद्योग को नई उड़ान

चित्रकोट जलप्रपात, तीरथगढ़, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान, सिरपुर और बस्तर के सांस्कृतिक पर्यटन स्थलों तक पहुंच सुगम होने से राज्य में पर्यटन उद्योग को भारी बढ़ावा मिलेगा। इससे होटल, गाइड, स्थानीय परिवहन और हस्तशिल्प व्यवसायियों की आय दोगुनी होगी।

व्यापार और निर्यात में ऐतिहासिक वृद्धि

विशाखापट्टनम पोर्ट तक आसान और तेज पहुंच से छत्तीसगढ़ के उद्योगों की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता (कॉम्पिटिटिवनेस) बढ़ेगी। संक्षेप में कहें तो, रायपुर-विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर महज एक इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की प्रगति, समृद्धि और आत्मनिर्भरता का नया महामार्ग है। यह छत्तीसगढ़ को देश के एक प्रमुख औद्योगिक और व्यापारिक हब के रूप में स्थापित करने का सामर्थ्य रखता है।

मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर ही सशक्त अर्थव्यवस्था की नींव होता है, और यही परियोजना आने वाले समय में छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। नए भारत की नई रफ्तार का यह कॉरिडोर देश के हर कोने को प्रगति की साझा मुख्यधारा से जोड़ने का एक जीवंत माध्यम है। जसं।

बच्चों के अनुभव को भी समृद्ध करती हैं यात्राएं

हम सभी अपने जीवन में यात्रा करना पसंद करते हैं। हर इंसान के यात्रा करने के अलग-अलग कारण हो सकते हैं। कोई जीवन में आ रही बोरियत को कम करने के लिए यात्रा करता है, तो कोई नई जगहें एक्सप्लोर करने के लिए। किसी को नए स्वाद चखने की चाहत खींच लाती है, तो कोई ऐतिहासिक दृष्टिकोण से घूमने निकलता है। देखा जाए तो यात्राएं इन सब कारणों का मिला-जुला रूप होती हैं। इसलिए बच्चों को भी इनसे अवगत कराना चाहिए। उन्हें यात्राओं के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार करना चाहिए, ताकि वे बिना कोई तनाव लिए यात्रा का पूरा आनंद लें, नई-नई बातें सीख सकें और उन जगहों की ऐतिहासिकता को समझ सकें। बच्चों के साथ यात्रा करना जितना रोमांचक होता है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। ट्रेन, हवाई जहाज़ या कार किसी भी माध्यम से की गई यात्रा में बच्चों का उत्साह देखते ही बनता है, पर उनके मूड, स्वास्थ्य और ऊर्जा को संभालना माता-पिता के लिए एक बड़ी जिम्मेदारी बन जाता है। दरअसल, बच्चों के लिए यात्रा केवल एक 'स्थान परिवर्तन' नहीं होती, बल्कि नई परिस्थितियों, लोगों, खानपान और दिनचर्या से जुड़ने की प्रक्रिया होती है, इसलिए उन्हें पहले से शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार करना बेहद ज़रूरी है, ताकि यह अनुभव आनंददायक और सीख से भरा हो, न कि थकान और चिड़चिड़ाहट से भरा। बच्चों को यात्रा के संबंध में बताएं कि आप कहां जा रहे हैं, वहां क्या-क्या देखने को मिलेगा और सफ़र कितना लंबा होगा। छोटे बच्चों को कहानी या चित्रों के माध्यम से भी यात्रा समझाना असरदार होता है। उनके सामने यात्रा को खेल या रोमांच की तरह प्रस्तुत करें। यात्रा बच्चों के मन में अनेक

भावनाएं लाती है—उत्साह, डर, बेचैनी, कभी-कभी घर की याद भी। इन भावनाओं को समझना और संभालना आवश्यक है। अगर बच्चे यात्रा को 'एडवेंचर' की तरह देखेंगे, तो डर की जगह उत्सुकता ले लेगी। बातचीत से उनकी मानसिक जिज्ञासा सक्रिय होती है और यात्रा के दौरान वे सकारात्मक बने रहते हैं। बच्चों का शरीर वयस्कों की तुलना में अधिक संवेदनशील होता है। यात्रा से पहले और दौरान उनकी शारीरिक तैयारी पर विशेष ध्यान देना चाहिए। यात्रा से कुछ दिन पहले से ही बच्चे के खाने के समय और तरीकों को संतुलित करें। अत्यधिक तला या मसालेदार भोजन से बचें। पानी की पर्याप्त मात्रा दें। सफर के दौरान फ्रूट, सूखे मेवे और हल्के स्नैक्स साथ रखें। नई जगह का खाना देने से पहले थोड़ा-थोड़ा चखाकर देखें कि कोई एलर्जी तो नहीं। अगर यात्रा लंबी है या वहां का मौसम बदलने वाला है तो डॉक्टर से परामर्श लेकर विटामिन सप्लीमेंट्स साथ रखें। अक्सर माता-पिता तैयारी में व्यस्त रहते हैं और बच्चों की नींद का पैटर्न बिगड़ जाता है। इससे वे यात्रा के दिन चिड़चिड़े और थके हुए रहते हैं। यात्रा से एक-दो दिन पहले से ही उनकी नींद और जागने का समय तय करें। अक्सर बड़े किसी भी जरूरी काम से बच्चों को दूर रखते हैं, जबकि उन्हें भी अपनी तैयारी में शामिल करना चाहिए। बच्चों को उनकी अपनी छोटी बैग दें, जिसमें वे खिलौने, किताबें या कपड़े रखें। इससे उनमें जिम्मेदारी और आत्मनिर्भरता की भावना आती है। ऐसे छोटे-छोटे अभ्यास बच्चों को मानसिक रूप से संगठित और आत्मविश्वासी बनाते हैं। यात्रा बच्चों के मन में अनेक भावनाएं लाती है—उत्साह, डर, बेचैनी, कभी-कभी घर की याद भी। इन भावनाओं को समझना और संभालना आवश्यक है। ऐसे में झुंझलाने की जगह उन्हें समझाएं और बच्चों को प्रोत्साहित करें कि वे यात्रा के अनुभवों को चित्र या शब्दों में दर्ज करें। इससे उनकी मानसिक अभिव्यक्ति और अवलोकन शक्ति दोनों बढ़ती है और उनका समय भी कट जाता है। लंबी यात्राओं में बच्चे बेचैन हो सकते हैं। इसलिए थोड़ी-थोड़ी देर में पानी, फल या स्नैक्स का ब्रेक दें। अगर कार से जा रहे हैं, तो रुककर उन्हें पैर फैलाने का मौका दें। पहेलियां, स्टिकर बुक, ऑडियो स्टोरी या म्यूज़िक प्लेलिस्ट भी काम आते हैं। मोबाइल या टैबलेट पर कार्टून दिखाने के बजाय कहानी सुनाने या गाने सिखाने पर ज़ोर दें। यात्रा समाप्त होने के बाद बच्चों को उस अनुभव को जीने और साझा करने का अवसर देना भी आपकी तैयारी का ही हिस्सा है। उनसे यादों की एल्बम या कोलाज बनवाएं। यात्रा में इकट्ठा किए गए फोटो, टिकट, पत्ते या कोई छोटी चीज़ें मिलाकर उन्हें यादगार बुक बनाने को कहें। इससे उनके अंदर 'याद रखने और संजोने' की आदत विकसित होगी। उनका अनुभव भी 'तुम्हें कौन-सी जगह सबसे पसंद आई?', 'क्या नया सीखा?' जैसे रोचक प्रश्नों से जानने की कोशिश करें। यह संवाद बच्चों की आत्म-चिंतन क्षमता बढ़ाता है। बाल मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, बच्चों को यात्रा में शामिल करना उनके सामाजिक, भावनात्मक और संज्ञानात्मक विकास के लिए बेहद लाभकारी है। अगर आप बच्चों के साथ 'ट्रैवल बडी' जैसा रिश्ता बनाएं, केवल 'पैरेंट-कंट्रोल' का नहीं, तो यकीन मानिए आपकी यात्रा बहुत खूबसूरत बन जाएगी।

एजेंसी।

विजय पथ पर भाजपा

हाल ही में पश्चिम बंगाल सहित देश के 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए, जिसमें पश्चिम बंगाल में भी अब भाजपा की सरकार आ गई है। 15 साल तक राज करने वाली टीएमसी के अभेद्य गढ़ को भाजपा ने फतह कर ली। माना जा रहा था कि पश्चिम बंगाल की कथित शेरनी को हरा पाना मुश्किल था, लेकिन मोदी जैसे वैश्विक नेता एवं देश के सशख्त प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, देश के चाणक्य माने जाने वाले देश के गृहमंत्री अमीत शाह, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितीन नवीन सहित प्रभारी भाजपा नेताओं की जबर्दस्त घेराबंदी एवं राष्ट्रवाद की नीति ने ममता की टीएमसी को आईना दिखा दिया और पहली बार पश्चिम बंगाल में भगवा फहरा दिया।

यह विजयश्री अब यहीं नहीं रूकने वाली, अब भाजपा राष्ट्र विजय के पथ पर अग्रसर हो रही है और अब अन्य राज्यों में होने वाले चुनाव में अभी से फोकस करना प्रारंभ कर दी है। जम्मू-कश्मीर में अटल जी ने भाजपा की नींव रखी और भाजपा की विजयश्री का श्रीगणेश किया। पिछले चुनाव में भाजपा को दूसरी बड़ी पार्टी के रूप में नरेन्द्र मोदी ने स्थापित किया, लेकिन इंडि गठबंधन को बहुमत हासिल हुआ और उमर अब्दुल्ला सीएम बने। अब जम्मू-कश्मीर को फतह करने की तैयारी चल रही है।

साऊथ में भाजपा को स्थापित करना टेढ़ी खीर है, अभी हाल में हुए चुनाव में भाजपा ने जमकर कोशिश की और एआईडीएमके के साथ मिलकर चुनाव लड़ा, लेकिन सरकार नहीं बन पाई और पहली बार टीवीके ने चुनाव लड़ा और बहुमत के पास पहुंच गई और यहां-वहां से समर्थन लेकर बहुमत का आंकड़ा पार किया और फिल्म जगत के सुपरस्टार विजय थालापति राजनीति में भी सुपरस्टार साबित हुए और सीएम बन गए। लेकिन भाजपा नहीं रूकने वाली, उनका कांसेप्ट क्लियर है और राष्ट्र विजय के पथ पर अग्रसर होती रहेगी। 28 राज्यों में से 21 राज्यों में एनडीए की सरकार है, जबकि देश की कभी सबसे बड़ी पार्टी एवं सबसे अधिक सालों तक राज करने वाली कांग्रेस 03 राज्यों में सिमट गई है। केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु जैसे राज्यों को विजय प्राप्त करना भाजपा के लिए काफी कठिन है, लेकिन भाजपा जानती है और असंभव को संभव करना भी। भाजपा स्थिति और परिस्थिति को भांपना जानती है। मजदूर से लेकर किसी को भी टिकट देती है, जिससे भाजपा का विस्तार हो रहा है।

खत्म हुआ इंतजार ! 1500 घंटे में बनी ब्लू गाउन पहनकर Aishwarya Rai ने रेड कारपेट पर मारी एंट्री... थम गईं सबकी निगाहें।

सादगी और खूबसूरती का परफेक्ट कॉम्बिनेशन है Triptii Dimri, ट्रेडिशनल अंदाज में ढाया कहर...

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री Sanya मल्होत्रा हाल ही में अपने फोटोशूट को लेकर सुर्खियों में आ गई हैं।

कांस में चला जैकलिन के हुस्न का जादू

पेनल्टी शूटआउट में कैसे तय होती है जीत-हार ? जानिए फुटबॉल के अहम नियम

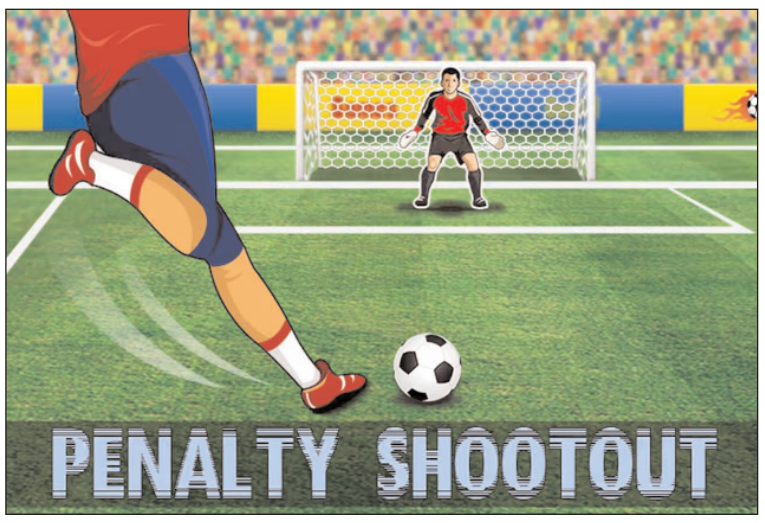

एजेंसी।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत 11 जून से होगी। इस वर्ल्ड कप में कुल 48 टीमें हिस्सा लेंगी. अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको की संयुक्त मेजबानी में होने वाले इस टूर्नामेंट पर पूरी दुनिया की नजरें टिकी हुई हैं। फुटबॉल फैंस के बीच इस वर्ल्ड कप को लेकर जबरदस्त उत्साह है। इस खेल में पेनल्टी शूटआउट का बड़ा महत्व है।

फुटबॉल में पेनल्टी शूटआउट वह पल होता है जहां करोड़ों फैंस की धड़कनें थम जाती हैं। कई बार पूरे टूर्नामेंट का फैसला सिर्फ एक किक तय करती है। फीफा वर्ल्ड कप इतिहास में कई बड़े चैंपियन इसी शूटआउट में जीते और हारे हैं।

आइए जानते हैं कि पेनल्टी शूटआउट कब लागू होता है, इसके नियम क्या होते हैं और यह फुटबॉल का सबसे तनावपूर्ण लेकिन रोमांचक हिस्सा क्यों माना जाता है। इस खबर में आपको पेनल्टी शूटआउट से जुड़ी हर जरूरी जानकारी मिलेगी।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत 11 जून से होगी

क्या होता है 5-5 शॉट का नियम ?

पेनल्टी शूटआउट की शुरुआत में दोनों टीमों को 5-5 पेनल्टी किक दी जाती हैं। शूटआउट शुरू होने से पहले रेफरी टॉस कराता है, जिससे तय होता है कि कौन-सी टीम पहले पेनल्टी लेगी। दोनों टीमें बारी-बारी से एक-एक शॉट लेती हैं और अंत में जिस टीम के ज्यादा गोल होते हैं, वही विजेता बनती है। अगर किसी टीम ने शुरुआती 3 शॉट में 3 गोल कर दिए और दूसरी टीम अपने 3 में से तीनों मिस कर दे, तो मुकाबला वहीं खत्म हो सकता है क्योंकि दूसरी टीम की वापसी संभव नहीं रहती।

बराबरी के बाद शुरू होता है असली मुकाबला

फुटबॉल मैच में अगर निर्धारित 90 मिनट और अतिरिक्त समय के बाद भी स्कोर बराबर रहता है, तो विजेता तय करने के लिए पेनल्टी शूटआउट कराया जाता है। यह मुकाबले का वह दौर होता है जहां खिलाड़ियों पर सबसे ज्यादा दबाव होता है, क्योंकि यहां एक छोटी सी गलती भी पूरी टीम की हार की वजह बन सकती है।

पेनल्टी किक लेने वाला खिलाड़ी कैसे शॉट मारता है?

पेनल्टी लेने वाला खिलाड़ी गेंद को पेनल्टी स्पॉट पर रखता है और रेफरी की सीटी बजने के बाद शॉट लेता है। इसके लिए पेनल्टी लेने वाले खिलाड़ी को गेंद एक स्पॉट पर रखना होता है और वहां से गोल मारना होता है। खिलाड़ी रन-अप लेकर शॉट मार सकता है। एक बार शॉट मारने के बाद खिलाड़ी गेंद को लगातार दूसरी बार नहीं छू सकता। केवल वही खिलाड़ी शूटआउट में हिस्सा ले सकते हैं, जो मैच खत्म होने तक मैदान पर मौजूद हों।

क्या होता है फेक शॉट ?

फुटबॉल में फेक शॉट का नियम अक्सर लोगों को भ्रमित करता है। अगर खिलाड़ी रन-अप के दौरान शरीर की मूवमेंट, धीमी चाल या हल्का रुककर गोलकीपर को भ्रमित करता है, तो यह नियमों के दायरे में माना जाता है। लेकिन अगर खिलाड़ी गेंद के बिल्कुल पास पहुंचने के बाद शॉट मारने का नाटक करे, अचानक रुक जाए या किक के समय गलत तरीके से छल करने की कोशिश करे, तो इसे नियमों का उल्लंघन माना जा सकता है। ऐसी स्थिति में खिलाड़ी को येलो कार्ड दिया जा सकता है। अगर गेंद गोल में चली भी जाए, तो रेफरी गोल रद्द कर सकता है।

गोलकीपर के लिए क्या नियम होते हैं?

पेनल्टी शूटआउट में गोलकीपर की भूमिका बेहद अहम होती है और उसके लिए भी सख्त नियम बनाए गए हैं। गोलकीपर को गोल लाइन पर खड़ा रहना होता है। शॉट लगने तक उसका कम से कम एक पैर गोल लाइन को छू रहा हो या उसके ऊपर होना चाहिए। गोलकीपर दाएं-बाएं मूव कर सकता है, लेकिन शॉट लगने से पहले वह आगे नहीं बढ़ सकता। अगर गोलकीपर समय से पहले आगे आ जाता है और इससे उसे फायदा मिलता है, तो रेफरी दोबारा किक करवाने का फैसला ले सकता है।

बाकी खिलाड़ी कहां रहते हैं?

जो खिलाड़ी उस समय पेनल्टी नहीं ले रहे होते, उन्हें सेंटर सर्कल के आसपास इंतजार करना पड़ता है। शॉट लगने से पहले वे पेनल्टी एरिया में प्रवेश नहीं कर सकते। किक के दौरान किसी तरह का हस्तक्षेप नहीं कर सकते।

5 शॉट के बाद भी स्कोर बराबर रहा तो क्या होता है?

अगर दोनों टीमों के 5-5 शॉट के बाद भी स्कोर बराबर रहता है, तो मुकाबला 'सडन डेथ' में चला जाता है। ऐसे में दोनों टीमों को एक-एक अतिरिक्त मौका मिलता है। अगर एक टीम गोल कर देती है और दूसरी चूक जाती है, तो मुकाबला तुरंत खत्म हो जाता है।

पेनल्टी शूटआउट सिर्फ तकनीक का नहीं, बल्कि मानसिक मजबूती का भी खेल है। यहां एक खिलाड़ी कुछ सेकंड में हीरो भी बन सकता है और खलनायक भी। यही वजह है कि फुटबॉल का यह हिस्सा दुनिया के सबसे रोमांचक खेल क्षणों में गिना जाता है।

आखिर क्यों कुछ लोग हमेशा दूसरों से 10 कदम आगे रहते हैं?

चाणक्य नीति में छिपा है उनकी सफलता का राज

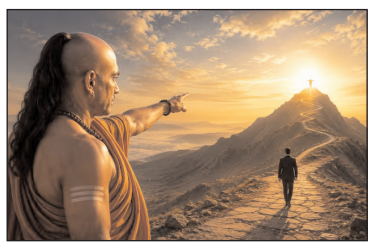

क्या आपने कभी इस बात पर गौर किया है कि जीवन में हालात चाहे कुछ भी हों, कुछ लोग हर जगह और बात में दूसरों से आगे निकल जाते है? ये लोग न तो आपको सबसे ज्यादा मेहनत करते हुए दिखाई देंगे और न ही इन लोगों के पास दूसरों से ज्यादा रिसोर्स मौजूद होते हैं। भले ही इन लोगों के पास कुछ भी न हो लेकिन फिर भी ये लोग दूसरों की तुलना में सफलता की सीढ़ियां जल्दी चढ़ लेते हैं। आखिर ऐसा होता क्यों है? अगर आपके दिमाग में भी यह सवाल आया है तो इसका जवाब आपको चाणक्य नीति में मिलता है। आचार्य चाणक्य के अनुसार ऐसा होने के पीछे उसकी सोच, डिसिप्लिन और सही समय पर फैसला लेने की काबिलियत का सबसे बड़ा हाथ है। आचार्य चाणक्य कहते हैं कि इस तरह के जो लोग होते हैं वे चीजों को समय से पहले ही समझने की काबिलियत रखते हैं। अगर आप भी जीवन में दूसरों से हमेशा 10 कदम आगे रहना चाहते हैं तो आज की यह आर्टिकल आपके लिए ही है। आज हम आपको कुछ ऐसी खूबियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें अगर आप अपने अंदर डेवलप कर लेंगे तो आपके लिए दूसरों से आगे निकलना काफी ज्यादा आसान हो जाएगा। तो चलिए इन खूबियों के बारे में विस्तार से जानते हैं।

साफ-सुथरी सोच और आने वाले समय की समझ

आचार्य चाणक्य के अनुसार जो लोग दूसरों से आगे रहते हैं उनकी सोच बहुत ही ज्यादा साफ और सुलझी हुई होती है। वे किसी भी हालात को सिर्फ ऊपर-ऊपर से नहीं देखते हैं, वे इसके पीछे के कारणों और परिणामों के बारे में भी गहराई से समझने की कोशिश करते हैं। अगर उनकी सबसे बड़ी ताकत की बात करें तो वह उनकी दूरदर्शिता ही होती है। इसका आसान मतलब यह भी है कि उन्हें यह समझ में आता है कि उनका आज लिया गया फैसला उनके आने वाले समय पर कैसा असर डाल सकता है। यह एक बड़ी वजह है कि दूसरों से आगे रहने वाले लोग जल्दबाजी में आकर कोई भी बड़ा फैसला नहीं लेते हैं। वे हर एक कदम को काफी सोच-समझकर उठाते हैं और अपने लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए ही जीवन में आगे बढ़ते हैं।

सही समय पर सही फैसला लेने की खूबी

चाणक्य नीति के अनुसार जीवन में जो भी लोग सफल होते हैं उन्हें समय की कीमत बहुत ही अच्छे से समझ में आती है। उन्हें यह बात बहुत ही अच्छे से पता होती है कि जीवन में उन्हें बार-बार मौके नहीं मिलने वाले हैं। इस बात का अंदाजा होने की वजह से वे जीवन में आने वाले मौकों को पहचानने में देरी नहीं करते हैं। जिस समय दूसरे लोग चीजों के बारे में सोचते रहते हैं, ये लोग एक सही फैसला लेकर उनसे आगे निकल जाते हैं। जीवन में उनके आगे रहने की यह सबसे बड़ी वजहों में से एक है। आचार्य चाणक्य की मानें तो, अपने समय का सही इस्तेमाल और सही समय पर लिया गया फैसला आपकी जिंदगी को पूरी तरह से बदल सकता है।

नयी चीजें सीखने की आदत कभी नहीं छोड़ते

जीवन में जो भी लोग दूसरों से आगे रहते हैं, वे कभी यह नहीं सोचते हैं कि अब उन्हें सबकुछ आ गया है। जो भी लोग जीवन में आगे रहते हैं वे हमेशा ही नयी चीजों को सीखने के लिए तैयार रहते हैं। चाहे नयी जानकारी हो, नए एक्सपीरियंस हों या फिर नयी गलतियां, वे हर एक चीज का फायदा खुद को सुधारने के लिए उठाते हैं। अगर वे कोई गलती कर भी देते हैं, तो वे उसे एक हार की तरह नहीं बल्कि एक नयी सीख की तरह लेते हैं। उनमें दूसरों की सफलताओं को देखकर मोटिवेशन लेने की खूबी भी होती है। अपनी इन्हीं खूबियों के दम पर वह अपने अंदर के नॉलेज को लगातार बढ़ाता रहता है।

डिसिप्लिन और खुद पर कंट्रोल

आचार्य चाणक्य के अनुसार जो लोग जीवन में दूसरों से आगे रहते हैं, उनकी जिंदगी में डिसिप्लिन ही सबसे मजबूत नींव होती है। ये लोग अपनी डेली रूटीन, आदतों और लक्ष्यों को लेकर हर समय सीरियस रहना जानते हैं। उन्हें यह बात बहुत ही अच्छे से पता होती है कि बिना डिसिप्लिन के अगर सफलता मिल भी जाए, तो वह लंबे समय तक टिकने वाली नहीं है। यह भी एक बड़ी वजह है कि ये लोग अपने समय का सही इस्तेमाल करते हैं, बेवजह की चीजों से दूर रहते हैं और साथ ही अपना पूरा ध्यान अपने कामों पर ही लगाते हैं। खुद पर कंट्रोल होने की वजह से वे गलत फैसले लेने से और इधर-उधर भटकने से बचे रहते हैं।

संगत और माहौल का भी पड़ता है असर

चाणक्य नीति के अनुसार अगर आप जीवन में दूसरों से आगे निकलना चाहते हैं, तो आपको अपनी संगति काफी सोच-समझकर चुननी पड़ेगी। जो भी लोग सफल और कामयाब होते हैं उन्हें यह बात बहुत ही अच्छे से पता होती है कि उनके आसपास जो लोग हैं, वे उनकी सोच और जीवन पर काफी गहरा असर डाल सकते हैं। यह एक बड़ी वजह है कि सफल लोग हमेशा उन लोगों के साथ रहना पसंद करते हैं जिनकी सोच पॉजिटिव होती है और जो इन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए मोटिवेट करते हैं।

रिस्क लेने की रखते हैं हिम्मत

आचार्य चाणक्य के अनुसार जो भी लोग जीवन में सफल होते हैं, वे हर बार सिर्फ सुरक्षित रास्तों पर ही नहीं चलते हैं। वे जीवन में कभी भी नए मौकों को अपनाने से घबराते या फिर डरते नहीं है। वे रिस्क लेने से पहले पूरी तरह से चीजों के बारे में सोच और समझ भी लेते हैं। जब उन्हें हर एक बात समझ में आ जाती है तो वे आगे की प्लानिंग करना शुरू करते हैं। उनके अंदर का यह साहस उन्हें भीड़ से बिलकुल ही अलग खड़ा कर देता है। रिस्क लेने की इसी काबिलियत की वजह से उन्हें जीवन में ऐसे मौके भी मिल जाते हैं जो दूसरों को दिखाई तक नहीं देते हैं।

एजेंसी।

खाड़ी से यूरोप तक असर छोड़ता भारत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पांच देशों की यात्रा एक नियमित कूटनीतिक यात्रा नहीं थी। संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली की यह यात्रा उस नये वैश्विक यथार्थ का प्रतिबिंब थी, जिसमें आर्थिक शक्ति, ऊर्जा सुरक्षा, तकनीकी श्रेष्ठता और भू-राजनीतिक गठजोड़ एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। इस यात्रा ने साफ कर दिया कि भारत अब वैश्विक शक्ति संतुलन में अपनी भूमिका को नये सिरे से परिभाषित करने की कोशिश कर रहा है। पिछले कुछ वर्षों में विश्व व्यवस्था तेजी से अस्थिर हुई है।

रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में संघर्ष, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं का संकट, ऊर्जा कीमतों में उछाल और तकनीकी प्रतिस्पर्धा ने दुनिया को नये ध्रुवीकरण की ओर धकेला है। ऐसे में भारत के सामने चुनौती यह है कि वह अपनी आर्थिक वृद्धि को सुरक्षित रखते हुए रणनीतिक स्वायत्तता भी बनाये रखे। प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा इसी रणनीतिक सोच का हिस्सा थी। यह सिर्फ समझौतों व घोषणाओं का कार्यक्रम नहीं, भारत की दीर्घकालिक भू-राजनीतिक दृष्टि का संकेत भी था।

इस यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह था कि भारत ने खाड़ी और यूरोप को साझा रणनीतिक ढांचे में देखने की कोशिश की। पहले भारत की पश्चिम एशिया नीति ऊर्जा आयात तक सीमित थी, जबकि यूरोप के साथ संबंध व्यापार और राजनीतिक संवाद तक सीमित थे। अब भारत दोनों क्षेत्रों को वैश्विक आर्थिक और रणनीतिक नेटवर्क के महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में देख रहा है। इसी कारण मोदी की यात्रा में ऊर्जा, रक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, हरित प्रौद्योगिकी, समुद्री सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखलाओं जैसे विषय केंद्रीय रहे. यूएइ की यात्रा इस नयी रणनीति का सबसे स्पष्ट उदाहरण थी।

इसके साथ भारत के संबंधों में पिछले दशक में भारी बदलाव आया है। कभी केवल प्रवासी भारतीयों और तेल व्यापार तक सीमित रिश्ता अब निवेश, रक्षा, तकनीक और क्षेत्रीय सुरक्षा तक फैल चुका है। यूएइ के साथ रणनीतिक रक्षा साझेदारी का ढांचा इसका ठोस संकेत है कि भारत अब खाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा और सामरिक संतुलन में भी बड़ी भूमिका निभाना चाहता है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और होर्मुज जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर संकट ने भारत को यह अहसास कराया है कि ऊर्जा सुरक्षा केवल बाजार का विषय नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रश्न भी है।

इसी कारण भारत रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार, दीर्घकालिक एलएनजी समझौतों और ऊर्जा आपूर्ति के वैकल्पिक ढांचे पर जोर दे रहा है। यूएइ का ओपेक से बाहर निकलना भारत के लिए अवसर के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि इससे तेल उत्पादन में लचीलापन बढ़ सकता है। साथ ही, स्थानीय मुद्राओं में व्यापार व ऊर्जा सहयोग यह संकेत देता है कि भारत डॉलर आधारित वैश्विक आर्थिक व्यवस्था के विकल्पों पर भी विचार कर रहा है। प्रधानमंत्री की यात्रा का एक और महत्वपूर्ण पक्ष था-भारत का तकनीकी और औद्योगिक शक्ति बनने का प्रयास। यूरोप के साथ हुए समझौते प्रमाण हैं कि भारत अब केवल विदेशी निवेश आकर्षित करने तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि वैश्विक तकनीकी और औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखलाओं का प्रमुख केंद्र भी बनना चाहता है।

नीदरलैंड के साथ सेमीकंडक्टर सहयोग, स्वीडन के साथ एआइ और 6जी तकनीक में साझेदारी तथा इटली के साथ उन्नत विनिर्माण और रक्षा सहयोग इसी दिशा में उठाये गये कदम हैं। खासकर सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत की सक्रियता महत्वपूर्ण है। कोविड और अमेरिका-चीन तकनीकी प्रतिस्पर्धा के बाद दुनिया ने यह महसूस किया कि चिप निर्माण रणनीतिक शक्ति का आधार बन चुका है। भारत को भविष्य की वैश्विक अर्थव्यवस्था में केंद्रीय भूमिका निभानी है, तो इस उच्च तकनीक विनिर्माण में मजबूत उपस्थिति बनानी होगी। एएसएमएल जैसी डच कंपनी के साथ सहयोग इसी का प्रमाण है। स्वीडन और नॉर्डिक देशों के साथ बढ़ते संबंध भी हमारी विदेश नीति में नया बदलाव दर्शाते हैं। नॉर्डिक देश छोटे हो सकते हैं, पर हरित प्रौद्योगिकी, डिजिटल नवाचार, स्वच्छ ऊर्जा और सतत विकास के क्षेत्र में उनकी भूमिका बड़ी है। भारत समझ चुका है कि भविष्य की वैश्विक अर्थव्यवस्था केवल सस्ते श्रम और पारंपरिक उद्योगों से नहीं चलेगी। नवाचार, हरित तकनीक और डिजिटल अवसंरचना उसकी नींव होंगे।

इसी कारण भारत-स्वीडन नवाचार साझेदारी और भारत-नॉर्डिक हरित रणनीतिक सहयोग को विशेष महत्व दिया गया। नॉर्वे के साथ ब्लू इकोनॉमी, हरित जहाजरानी और समुद्री प्रौद्योगिकी में सहयोग दर्शाता है कि भारत हिंद महासागर क्षेत्र में अपनी रणनीतिक भूमिका भी मजबूत करना चाहता है। यह समुद्री अर्थव्यवस्था को अब ऊर्जा, पर्यावरण, जलवायु और सुरक्षा से जुड़ी व्यापक अवधारणा के रूप में देख रहा है. यह दृष्टिकोण भारत की हिंद-प्रशांत रणनीति से भी जुड़ा हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी की इटली यात्रा ने संकेत दिया कि भारत यूरोप के भीतर भी नये साझेदार तलाश रहा है। लंबे समय तक भारत की यूरोप नीति फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के इर्द-गिर्द केंद्रित रही। पर इटली के साथ 'विशेष रणनीतिक साझेदारी' दर्शाती है कि भारत भूमध्यसागरीय क्षेत्र को भविष्य की वैश्विक कनेक्टिविटी और व्यापार व्यवस्था के महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में देख रहा है। भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा इसी सोच का परिणाम है। इसे चीन की बेल्ट एंड रोड पहल के विकल्प के रूप में भी देखा जा रहा है।

प्रधानमंत्री की इस पूरी यात्रा का एक और महत्वपूर्ण संदेश था-भारत अब स्वयं को केवल विकासशील देश के रूप में पेश नहीं कर रहा। प्रधानमंत्री ने हर मंच पर भारत को निवेश, नवाचार, विनिर्माण और प्रौद्योगिकी के वैश्विक केंद्र के रूप में प्रस्तुत किया। 'मेक इन इंडिया' से आगे बढ़कर 'को-क्रिएट इन इंडिया' और 'डेवलप इन इंडिया एंड डिलीवर टू द वर्ल्ड' जैसी अवधारणाएं दर्शाती हैं कि भारत वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में केंद्रीय भूमिका चाहता है। फिर भी इस यात्रा की वास्तविक सफलता केवल घोषणाओं और समझौतों से तय नहीं होगी। बड़ी चुनौती इन रणनीतिक साझेदारियों को ठोस आर्थिक और तकनीकी परिणामों में बदलने की होगी। भारत को ऊर्जा सुरक्षा, तकनीकी आत्मनिर्भरता और औद्योगिक प्रतिस्पर्धा के बीच संतुलन बनाना होगा। यह यात्रा इसलिए महत्वपूर्ण रही, क्योंकि इसने स्पष्ट किया कि भारत अब बदलती दुनिया में नयी वैश्विक व्यवस्था को आकार देने की आकांक्षा रखने वाला राष्ट्र बनना चाहता है। ऊर्जा से लेकर तकनीक तक और खाड़ी से लेकर यूरोप तक भारत अपने लिए ऐसी रणनीतिक जगह तैयार करने में लगा है, जहां वह आने वाले दशकों में वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था में निर्णायक भूमिका निभा सके। एजेंसी।

हर समय ऑनलाइन रहने की वजह से कहीं आपके रिश्ते बर्बाद तो नहीं हो रहे?

आज के समय में हम सभी स्मार्टफोन और इंटरनेट से घिरे हुए हैं। ये हमारी जिंदगी का एक ऐसा हिस्सा बन चुका है जिसके बिना हम खुद को 5 मिनट के लिए भी सोच नहीं पाते हैं। सुबह उठती ही नोटिफिकेशन चेक करना, पूरे-पूरे दिन सोशल मीडिया पर एक्टिव रहना और रात को सोने से पहले तक अपने दोस्तों के साथ रील्स शेयर करना एक आदत सी बन गयी है। अगर आप भी इन्हीं में से हैं तो आपको थोड़ी देर ठहरकर सोचना चाहिए। कई बार आपके दिनभर ऑनलाइन रहने की आदत आपके रिश्तों, दोस्ती और प्यार पर भी काफी बुरा असर डाल सकता है। आपको यह जानकर हैरानी हो लेकिन स्क्रीन टाइम अगर ज्यादा हो तो इससे इमोशनल दूरी बढ़ने लगती है, आपस में बातचीत होना बंद हो जाता है और इसके अलावा कई बार रिश्तों में गलतफहमियां भी बढ़ने लगती है। आज इस आर्टिकल में हम आपको ऐसे ही कुछ और नुकसानों के बारे में बताने वाले हैं जो आपके रिश्तों को पहुंचते हैं, जब आप पूरे-पूरी दिन सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने लग जाते हैं। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में विस्तार से-

आमने-सामने बातचीत में हो जाती है कमी

जब आप अपना ज्यादातर समय ऑनलाइन रहने में बिता देते हैं, तो इससे आपको अपने ही घर के लोगों के साथ आराम से बैठकर बात करने का मौका नहीं मिलता है। धीरे-धीरे यह एक आदत की तरह बन जाती है। जहां आप पहले अपनी बातें परिवार के साथ शेयर करते थे, वही अब आपका सारा समय स्मार्टफोन की स्क्रीन की तरफ देखते हुए बीत जाता है। लंबे समय तक ऐसा होते रहने से रिश्तों में अपनापन कम होने लगता है और इमोशनल कनेक्शन भी कमजोर पड़ने लगता है।

होने लगती है फोकस और समय की कमी

अगर आप अपने रिश्तों को मजबूत बनाना चाहते हैं तो इसके लिए यह काफी जरूरी हो जाता है कि आप उन्हें समय जरूर दें। लेकिन जब आप अपना ज्यादातर समय ऑनलाइन रहने में बर्बाद कर देते हैं, तो अनजाने में ही अपनों को समय देना कम कर देते हैं। बार-बार अगर ऐसा होता रहे, तो आपके आसपास लोगों को ऐसा लगने लगता है जैसे आपको उनकी जरूरत ही नहीं है। अगर इस सोच को आप बढ़ने देते हैं, तो धीरे-धीरे रिश्तों में दूरियां और स्ट्रेस बढ़ने लग जाते हैं।

गलतफहमी और भरोसे की समस्या

जब आप किसी से ऑनलाइन चैट या फिर बात कर रहे होते हैं तो इस समय आप दोनों के लिए एक-दूसरे के इमोशंस को समझना काफी ज्यादा कठिन हो जाता है। एक छोटा सा मैसेज या फिर इमोजी भी सामने वाले को बातों का गलत मतलब निकालने को मजबूर कर सकता है। इसके अलावा जब आप अपना ज्यादातर समय ऑनलाइन बिताते हैं, तो कई बार इसकी वजह से अपने पार्टनर या परिवार के अंदर इनसिक्योरिटी बढ़ सकती है। लंबे समय तक अगर ऐसा होता रहे तो रिश्तों में शक बढ़ने लगता है और भरोसा भी टूटने लग जाता है।

इमोशनली होने लग जाते हैं दूर

अगर आप रिश्तों को गहरा बनाना चाहते हैं तो इसके लिए सिर्फ आपके लिए एक-दूसरे से बात करना ही काफी नहीं होता है। अगर आप रिश्तों को मजबूती देना चाहते हैं तो आप दोनों के लिए साथ में समय बिताना भी उतना ही जरूरी हो जाता है। वहीं, जब आप अपना ज्यादातर समय स्मार्टफोन में ऑनलाइन रहकर बर्बाद कर देते हैं तो देखते ही देखते इमोशनल कनेक्शन कम होने लग जाता है। ऐसा होने का इकलौता नतीजा यही होता है कि रिश्तों में फॉर्मेलिटी बढ़ने लग जाती है।

बच्चों और युवाओं पर पड़ता है ज्यादा असर

आज के समय में बड़ों के साथ-साथ बच्चे भी अपना ज्यादातर समय सोसाइल मीडिया और ऑनलाइन गेमिंग के बीच बिताने लग गए हैं। पूरे-पूरे दिन स्मार्टफोन में लगे रहने की वजह से वे अपने परिवार के साथ कम समय बिताने लग जाते हैं और एक असली सोशल कन्वर्सेशन से दूर होने लग जाते हैं। ऐसा होने की वजह से उनके व्यवहार और रिश्तों को समझने की कैपिसिटी कमजोर होने लग जाती है। एजेंसी।

बालको का 'ब्लैक मेज़', महिला सशक्तिकरण की नई मिसाल

बालको की प्रोजेक्ट उन्नति से जुड़कर 6000 से अधिक महिलाएं लिख रही हैं आर्थिक आत्मनिर्भरता और सतत आजीविका की नई कहानी

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेश कुमार सिंह ने बालकोनगर में 'ब्लैक मेज़' का शुभारंभ किया। प्रोजेक्ट उन्नति की महिलाओं द्वारा संचालित यह फाइन डाइनिंग कैफे महिला सशक्तिकरण, उद्यमिता और सामुदायिक विकास का सशक्त प्रतीक है। ताज़ा पकवानों की मनमोहक खुशबू, सलीके से सजा आकर्षक वातावरण और मेहमानों का आत्मीय स्वागत करती महिलाओं का आत्मविश्वास इसकी सफलता और परिवर्तन की कहानी है।

बालको की प्रमुख महिला सशक्तिकरण पहल 'प्रोजेक्ट उन्नति' की महिलाओं द्वारा संचालित 'ब्लैक मेज़' उस यात्रा का नया अध्याय है, जिसकी शुरुआत कभी 'उन्नति चौपाल' के रूप में हुई थी। चाट-पकौड़ी और स्थानीय व्यंजन परोसने वाला एक छोटा फास्ट-फूड केंद्र आज 50 से अधिक लोगों की बैठने की क्षमता वाले आधुनिक फाइन डाइनिंग कैफे में परिवर्तित हो चुका है। निजी आयोजनों और विशेष अवसरों के लिए तैयार इसका विशेष डाइनिंग स्पेस इसकी भव्यता को और बढ़ाता है।

'ब्लैक मेज़' की सबसे बड़ी पहचान हर परोसे गए भोजन के पीछे छिपी मेहनत, संघर्ष और आत्मविश्वास की कहानी है। इसके केंद्र में हैं स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की वे महिलाएं, जिन्होंने कभी स्वयं को केवल गृहिणी के रूप में देखा था। प्रोजेक्ट उन्नति के माध्यम से उन्हें व्यंजन कला, आतिथ्य सेवा, ग्राहक प्रबंधन, उद्यमिता और खाद्य गुणवत्ता जैसे क्षेत्रों में सुनियोजित प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण ने न केवल उनके कौशल को निखारा, बल्कि उन्हें अपने पैरों पर खड़े होने का आत्मविश्वास भी दिया। 'ब्लैक मेज़' का डाइनिंग स्पेस भी अपने आप में खास अनुभव प्रदान करता है। यहां के मेन्यू छत्तीसगढ़ी पारंपरिक व्यंजनों, उत्तर भारतीय स्वाद, चाइनीज़ पकवानों और लोकप्रिय फास्ट-फूड का अनूठा संगम स्थानीय संस्कृति और आधुनिकता को एक साथ प्रस्तुत करता है।

...तब मुझे अपनी उपलब्धि का एहसास हुआ-भारती

समूह की एक अन्य सदस्य भारती ने मुस्कुराते हुए कहा कि मेरी बेटी ने पूछा कि अब क्या घर पर मेरे हाथ का स्वाद मिलेगा या उसे 'ब्लैक मेज़' आना पड़ेगा। उस पल मुझे अपनी उपलब्धि का एहसास हुआ। प्रोजेक्ट उन्नति ने मुझे अपनी प्रतिभा को निखारने और पहचान बनाने का ऐसा मंच दिया है, जिसकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी।

अभी बहुत कुछ सीखना है - निर्मला देशमुख

उन्नति समूह की सदस्य निर्मला देशमुख ने कहा कि मैंने लंबा सफर तय किया है, लेकिन अभी बहुत कुछ हासिल करना बाकी है। 2022 में उन्नति से जुड़ने के बाद चार वर्षों में मैंने अपने भीतर और अपनी साथी बहनों में जो बदलाव देखा है, वह अविश्वसनीय है। हमारे पास हुनर था, लेकिन बालको के सहयोग ने हमें उसे बड़े मंच पर पहचान दिलाई।

कोरबा से आए एक ग्राहक ने कहा कि ब्लैक मेज़ का वातावरण बेहद आकर्षक है। यहां भोजन और कला के माध्यम से छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को बेहद खूबसूरती से प्रस्तुत किया गया है।

'ब्लैक मेज़' केवल एक कैफे नहीं, बल्कि महिलाओं द्वारा संचालित सतत उद्यमिता का प्रेरक मॉडल

'ब्लैक मेज़' केवल एक कैफे नहीं, बल्कि महिलाओं द्वारा संचालित सतत उद्यमिता का प्रेरक मॉडल है, जो आजीविका सृजन के साथ आत्मविश्वास और सांस्कृतिक गौरव को नई ऊंचाइयां देता है। बालको की यह पहल उस भविष्य की ओर संकेत करती है, जहां महिलाएं विकास की सहभागी ही नहीं, बल्कि उसकी दिशा तय करने वाली नेतृत्वकर्ता बनकर उभर रही हैं।

आत्मनिर्भरता की कहानी गढ़ रहीं 6000 महिलाएं

वर्षों से प्रोजेक्ट उन्नति ने 560 से अधिक स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाते हुए आर्थिक आत्मनिर्भरता और सतत आजीविका के अवसर विकसित किए हैं। आज इन समूहों से जुड़ी 6,000 से अधिक महिलाएं, उन्नति महासंघ (यूएमएस) के माध्यम से संचालित विभिन्न सूक्ष्म और लघु उद्यमों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

ब्लैक मेज महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने प्रेरित करेगा-सीईओ आर के सिंह

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेश कुमार सिंह ने कहा, 'बालको समुदाय, विशेषकर महिलाओं के लिए ऐसे अवसर सृजित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो उनकी आजीविका क्षमता और सम्मान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएं। यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि हमारे आसपास के क्षेत्रों की 6,000 से अधिक महिलाएं आत्मनिर्भरता और अपने परिवारों के दीर्घकालिक विकास की दिशा में आत्मविश्वास से कदम बढ़ा रही हैं। मुझे विश्वास है कि 'ब्लैक मेज़' की यह पहल और अधिक महिलाओं को आगे बढ़कर अपनी सफलता की नई कहानी लिखने के लिए प्रेरित करेगी।

बालको ने विभिन्न वार्डों में सुनिश्चित की पेयजल आपूर्ति

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

भीषण गर्मी के दौरान जल संकट से जूझ रहे समुदाय के लिए भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने वार्ड क्रमांक 40, 41 एवं 42 में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित कर राहत प्रदान की। कंपनी द्वारा किए गए इस प्रयास से स्थानीय निवासियों को गर्मी के कठिन समय में बड़ी राहत मिल रही है।

वार्ड क्रमांक 42 के पार्षद सत्येंद्र दुबे ने बालको की इस पहल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भीषण गर्मी के समय बालको द्वारा विभिन्न वार्डों में जल आपूर्ति की व्यवस्था करना एक सराहनीय कार्य है। इससे स्थानीय लोगों को बड़ी राहत मिली है। बालको हमेशा समुदाय की आवश्यकताओं को समझते हुए सहयोग के लिए आगे आता है, जिसके लिए मैं कंपनी का आभार व्यक्त करता हूं।

बालको की यह पहल समुदाय के प्रति कंपनी की सामाजिक प्रतिबद्धता और जनकल्याण के प्रति संवेदनशीलता को दर्शाती है। नियमित जल आपूर्ति के माध्यम से अनेक परिवारों को जल समस्या से राहत मिली है।

स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने इसकी सराहना करते हुए कहा कि कंपनी ने समय पर सहयोग देकर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का प्रभावी निर्वहन किया है।

मंत्री लखन लाल ने किया बालको कूलिंग टॉवर से रिस्दा पुल तक के नाली निर्माण का शिलान्यास

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

मंत्री लखन लाल देवांगन ने सोमवार को शांतिनगर क्षेत्र में सड़क किनारे नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इस अवसर पर कोरबा की महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत विशेष रूप से उपस्थित रहीं। यह पहल क्षेत्रीय नागरिक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण तथा शांतिनगर क्षेत्र में जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

यह परियोजना बालको कूलिंग टॉवर से रिस्दा पुल तक लगभग 2.9 किलोमीटर लंबाई में विकसित की जाएगी। लगभग 5 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना में 2.5 करोड़ रुपये जिला खनिज न्यास निधि (डीएमएफ) तथा 2.5 करोड़ रुपये बालको की सीएसआर निधि से प्राप्त हुए हैं। निविदा प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत अब निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा।

इस नाली निर्माण परियोजना के पूर्ण होने से शांतिनगर क्षेत्र में जलभराव की समस्या का समाधान होगा। इससे क्षेत्रवासियों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी तथा बरसात के मौसम में होने वाली असुविधाओं से राहत प्राप्त होगी। शिलान्यास अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने कहा कि यह परियोजना स्थानीय नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है और इससे क्षेत्र के समग्र विकास को गति मिलेगी।

जिला प्रशासन और बालको की साझेदारी कोरबा क्षेत्र में आधारभूत संरचना विकास को लगातार नई गति दे रही है। हाल ही में बजरंग चौक से रिस्दा पुल (परसाभाठा मार्ग) के उन्नयन, पुल मरम्मत और आधुनिक सड़क निर्माण की दिशा में शुरू हुई पहल के क्रम में यह नाली निर्माण परियोजना क्षेत्रीय विकास की अगली महत्वपूर्ण कड़ी है। शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना और आजीविका जैसे क्षेत्रों में बालको की निरंतर पहल स्थानीय समुदायों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने का प्रयास कर रही है। यह परियोजना क्षेत्रीय विकास को नई गति देते हुए स्थानीय समुदाय के जीवन स्तर में सुधार के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

दीर्घकालिक विकास के लिए बालको प्रतिबद्ध- राजेश कुमार सिंह

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेश कुमार सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन के सहयोग से संचालित यह नाली निर्माण परियोजना सामुदायिक आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने, जीवन स्तर में सुधार लाने और दीर्घकालिक विकास को गति देने के प्रति बालको की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है। समुदाय के साथ हमारी व्यापक सहभागिता से वित्तीय वर्ष 2026 में 1.8 लाख से अधिक लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। हम अपने समुदाय के विश्वास के लिए आभारी हैं, जिसने हमें सतत सकारात्मक परिवर्तन सुनिश्चित करने में सक्षम बनाया है।

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में प्रवेश हेतु 15 जून तक ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित

कोरबा (दिव्य आकाश)। राज्य की शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में प्रवेश हेतु रिक्त स्थानों के लिये ऑनलाईन आवेदन 15 जून 2026 रात्रि 11.59 बजे तक आमंत्रित किया गया है। इच्छुक अभ्यर्थी वेबसाइट cgiti.admissions.nic.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने के पूर्व अभ्यर्थी उक्त वेबसाइट पर उपलब्ध प्रवेश विवरणिका का भली-भांति अध्ययन कर लें। किसी प्रकार की सहायता या जानकारी के लिये अभ्यर्थी निकटतम शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था अथवा उक्त वेबसाइट पर प्रदर्शित हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क कर मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं।

प्रवेश परीक्षा स्थगित

कोरबा। वर्ष 2026-27 में मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना (पूर्व में जवाहर उत्कर्ष योजना) अंतर्गत कक्षा 6वीं में प्रवेश प्रक्रिया को स्थगित कर दिया गया है। कक्षा 6 वीं में प्रवेश हेतु की जारी प्रक्रिया में विलंब होने के कारण वर्तमान सत्र 2026-27 के लिए योजनान्तर्गत प्रवेश प्रक्रिया को स्थगित किया गया है।

मानव सेवा जल केंद्र का शुभारंभ, महापौर संजू देवी राजपूत ने किया उद्घाटन

कोरबा (दिव्य आकाश)।

भीषण गर्मी में आम नागरिकों और राहगीरों को राहत देने के लिए बुधवार को नगर निगम एवं द्वारिका नगरी सामाजिक विकास ट्रस्ट के संयुक्त सौजन्य से मानव सेवा जल केंद्र का शुभारंभ किया गया। जल केंद्र का उद्घाटन महापौर संजू देवी राजपूत ने फीता काटकर किया।

कार्यक्रम के दौरान महापौर संजू देवी राजपूत ने कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। इस तपती गर्मी में शीतल जल उपलब्ध कराना पुण्य का कार्य है। नगर निगम सामाजिक संस्थाओं के साथ मिलकर जनहित के ऐसे कार्य लगातार करता रहेगा। द्वारिका नगरी सामाजिक विकास ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने बताया कि यह जल केंद्र मुख्य मार्ग पर स्थापित किया गया है ताकि अधिक से अधिक राहगीरों, मजदूरों और जरूरतमंदों को ठंडा पेयजल मिल सके। यहां शुद्ध और ठंडा पानी निशुल्क उपलब्ध रहेगा।

इस अवसर पर नगर निगम के आयुक्त आशुतोष पांडे, पार्षद नरेन्द्र देवांगन, भाजपा अल्प संख्यक प्रकोष्ठ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष आरीफ खान, वार्ड पार्षद चंद्रलोक सिंह, तरुण राठौर, दीपनारायण सोनी, श्रीजीत नायर, पिंकी, ट्रस्ट के सदस्य प्रीतम जायसवाल, रेणु जायसवाल, पत्रकारगण राजू ठाकुर, हीरा राठौर, राजेश मिश्रा, पवन तिवारी, समीर गुप्ता, विक्की निर्मलकर सहित कई पत्रकार एवं बड़ी संख्या में शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे अनुकरणीय बताया। जल केंद्र शहर के मुख्य मार्ग कोर्ट परिसर के सामने लगाया गया है ताकि ज्यादा लोगों को लाभ मिल सके। शुद्ध शीतल पेयजल निशुल्क उपलब्ध होगा। इसे द्वारिका नगरी सामाजिक विकास ट्रस्ट के कार्यकर्ता संचालित करेंगे। इसका उद्देश्य गर्मी में राहगीरों को राहत और जल सेवा को बढ़ावा देना है।

महापौर ने ट्रस्ट के सामाजिक कार्य की प्रशंसा की और अन्य संस्थाओं से भी ऐसे सेवा कार्यों में आगे आने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों को जल सेवा कराकर शुभारंभ किया गया।

नगर निगम व द्वारिका नगरी सामाजिक विकास ट्रस्ट की पहल से राहगीरों को मिलेगी शीतल पेयजल की सुविधा

तपती गर्मी में जल सेवा का कार्य अनुकरणीय -महापौर

नगर पालिक निगम कोरबा एवं द्वारिका नगरी सामाजिक विकास ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आज एसपी कार्यालय के सामने मानव सेवा जल केन्द्र (प्याऊ-शीतल पेयजल) का शुभारंभ करते हुए महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने इस महत्वपूर्ण स्थान में जल सेवा केन्द्र का खुलना महत्वपूर्ण है, यहां पर कई शासकीय कार्यालय हैं, जहां पर रोजाना हजारों लोग आते हैं, इस केन्द्र के खुल जाने से हजारों लोग यहां आकर शीतल शरबत का आनंद उठा सकेंगे और गले को तृप्त करेंगे। यह बड़ा पुण्य का काम है। उन्होंने पत्रकारों को भी इस नेक काम के लिए बधाई दी और कहा कि हमारे पत्रकार लेखनी के साथ-साथ सामाजिक गतिविधियों में भी आगे रहते हैं, यह बड़ी बात है।

हमारे कोरबा के पत्रकार रचनात्मक एवं सामाजिक सरोकार में भी आगे-नरेन्द्र देवांगन

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि नरेन्द्र देवांगन ने कहा कि भीषण गर्मी में नगर पालिक निगम द्वारा मांग के अनुसार जगह-जगह प्याऊ खोला गया है और कलेक्ट्रेट, कोर्ट, एसपी आफिस, नगर पालिक निगम, जिला पंचायत क्षेत्र में रोजाना हजारों लोग आते हैं और इस क्षेत्र में मुख्य मार्ग पर निगम एवं पत्रकारों के संयुक्त आयोजन में यह प्याऊ खोला गया है, जहां रोजाना सुबह से शाम तक राहगीरों को शीतल पेय (शरबत) मिलेगा। यह मानव सेवा का सबसे बड़ा उदाहरण है।

आयुक्त की अपील

सभी जल प्रबंधन पर कार्य करें

नगर पालिक निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने इस अवसर पर समस्त जनों से अपील की कि सभी जल प्रबंधन पर कार्य करें, यह सभी नागरिकों का दायित्व है। जल का एक-एक बूंद महत्वपूर्ण है और इसे बचाने के लिए सभी घरों में वाटर हार्वेस्टिंग बनाएं और आने वाले दिनों में मानसून के पानी को धरती के अंदर जाने दें।

श्री पाण्डेय ने कहा कि भीषण गर्मी में जल पिलाना पुण्य का काम है और इस पुण्य काम में पत्रकार भी आगे आ रहे हैं, यह बड़ी बात है और समाज के लिए एक बड़ा संदेश भी।

प्रमुख सचिव और कलेक्टर ने चौपाल लगाकर जमीनी हकीकत की पड़ताल, मौके पर दिए समाधान के निर्देश

मुंगेली।

मुंगेली जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्रों में शासन की संवेदनशीलता और जनसरोकारों का प्रेरणादायी दृश्य उस समय देखने को मिला, जब प्रदेश शासन के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा, कलेक्टर कुन्दन कुमार ग्राम शिवलखार पहुंचे और जमीन पर चौपाल लगाकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। वनांचल के ग्रामीणों से हुए इस आत्मीय संवाद ने प्रशासन और आमजन के बीच की दूरी को पूरी तरह कम कर दिया। प्रमुख सचिव ने ग्रामीणों की समस्याओं और मांगों को गंभीरता से सुनी तथा उनके त्वरित निराकरण के लिए मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, आवास और अन्य आधारभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं प्रमुख सचिव के समक्ष रखीं। प्रमुख सचिव श्री बोरा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वनांचल क्षेत्रों में शासन की योजनाओं की पहुंच प्रभावी रूप से सुनिश्चित की जाए तथा जरूरतमंद परिवारों को प्राथमिकता के आधार पर लाभान्वित किया जाए। आवास योजना से संबंधित एक ग्रामीण महिला की शिकायत पर प्रमुख सचिव ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुंचना चाहिए। इस दौरान प्रमुख सचिव ने मोबाइल मेडिकल यूनिट का अवलोकन भी किया और वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को प्राथमिकता एवं संवेदनशीलता के साथ बेहतर इलाज और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

इस दौरान डीएफओ अभिनव कुमार, अतिरिक्त कलेक्टर श्रीमती निष्ठा पाण्डेय तिवारी, जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय, लोरमी एसडीएम अजीत पुजारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

खनिज माफियाओं पर प्रशासन का शिकंजा

अवैध गिट्टी परिवहन करते तीन हाइवा वाहन जब्त

बलरामपुर।

बलरामपुर जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन पर प्रशासन लगातार सख्त कार्रवाई कर रहा है। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशन में खनिज विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाकर अवैध गतिविधियों पर निगरानी रखी जा रही है। इसी क्रम में खनिज अधिकारी के नेतृत्व में खनिज अमले ने विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से गिट्टी परिवहन कर रहे तीन हाइवा वाहनों को जब्त किया। खनिज विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार राजपुर, बरियों एवं पस्ता क्षेत्र में जांच के दौरान अवैध परिवहन करते पाए गए वाहनों को तत्काल जब्त कर बरियों एवं पस्ता थाना की अभिरक्षा में सुपुर्द किया गया। संबंधित वाहन मालिकों के विरुद्ध खनिज नियमों के तहत नियमानुसार कार्रवाई की प्रक्रिया जारी है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन पर लगातार नजर रखी जा रही है तथा इस प्रकार की गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वालों पर आगे भी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

श्रमिकों के बच्चों के लिए डॉक्टर बनने का सुनहरा मौका

ESIC मेडिकल कॉलेजों में 700 सीटें आरक्षित
ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 21 जून 2026 तक
नीट यूजी (NEET UG) के जरिए मिलेगा प्रवेश, श्रम विभाग ने पात्र छात्रों से की आवेदन की अपील

रायपुर। छत्तीसगढ़ के संगठित क्षेत्र में काम करने वाले बीमित श्रमिकों के बच्चों के लिए मेडिकल शिक्षा (MBBS/ BDS) के क्षेत्र में करियर बनाने का एक बड़ा और सुनहरा अवसर सामने आया है। भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ESIC) ने देशभर के अपने 20 प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेजों में बीमित श्रमिकों के बच्चों के लिए 700 सीटें आरक्षित की हैं। ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 मई थी , जिसे बढ़ाकर 21 जून 2026 तक निर्धारित की गई है।

NEET UG के माध्यम से मिलेगा प्रवेश– श्रमायुक्त कार्यालय से प्राप्त आधिकारिक जानकारी के अनुसार, इन आरक्षित सीटों पर योग्य उम्मीदवारों का चयन नीट यूजी (NEET) परीक्षा के माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 21 जून 2026 निर्धारित की गई है। जो भी विद्यार्थी इस पात्रता के दायरे में आते हैं, वे बिना देरी किए कर्मचारी राज्य बीमा निगम की आधिकारिक वेबसाइट ESIC Official Website पर जाकर अपना आवेदन जमा कर सकते हैं।

योजना का मुख्य उद्देश्य– श्रम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस विशेष आरक्षण नीति का मुख्य उद्देश्य संगठित क्षेत्र के श्रमिक परिवारों के प्रतिभावान बच्चों को उच्च और गुणवत्तापूर्ण मेडिकल शिक्षा के बेहतर अवसर देना है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर या सामान्य पृष्ठभूमि से आने वाले छात्र भी बिना किसी वित्तीय बाधा के डॉक्टर बनने का अपना सपना पूरा कर सकेंगे।

महत्वपूर्ण जानकारियां – कुल आरक्षित सीटें 700 (देशभर के 20 ESIC मेडिकल कॉलेजों में), चयन का आधार नीट यूजी (NEET UG) मेरिट के आधार पर, आवेदन की अंतिम तिथि 21 जून 2026 है। कर्मचारी राज्य बीमा निगम की आधिकारिक वेबसाइट esic.nic.in का अवलोकन किया जा सकता है।

टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर – किसी भी प्रकार की शंका या विस्तृत जानकारी के लिए विद्यार्थी और अभिभावक टोल फ्री नंबर 1800–11–2526 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा नजदीकी ESIC शाखा या राज्य स्तरीय क्षेत्रीय कार्यालय से भी मार्गदर्शन लिया जा सकता है। श्रमायुक्त कार्यालय ने प्रदेश के सभी श्रमिक साथियों से विशेष अपील की है कि वे समय रहते इस महत्वाकांक्षी योजना की जानकारी अपने योग्य व इच्छुक बच्चों तक पहुंचाएं और अंतिम तिथि से पहले अधिक से अधिक आवेदन करवाकर इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं।

बस्तर के सुदूर अंचल की बेटियों को मिला कैंसर से सुरक्षा का कवच

जगदलपुर।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा बस्तर जिले के लोहंडीगुड़ा विकासखंड के अंतर्गत दूरस्थ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिंता में किशोरी बालिकाओं के लिए विशेष एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण सत्र का आयोजन किया गया। इस अभियान का उद्देश्य 9 से 14 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं को भविष्य में होने वाले गंभीर कैंसरों से सुरक्षा प्रदान करना है।

अभियान की प्रगति और व्यवस्थाओं का जायजा लेने जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सी. मैत्री ने स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने टीकाकरण प्रक्रिया का निरीक्षण करने के साथ ही स्वास्थ्य कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा वैक्सीन लगवाने आई बालिकाओं और उनके अभिभावकों से संवाद कर उन्हें जागरूक एवं प्रोत्साहित किया।

इस दौरान डॉ. मैत्री ने एचपीवी वैक्सीन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह टीका बेटियों के सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य का मजबूत सुरक्षा कवच है। उन्होंने बताया कि समय पर लगाया गया यह टीका महिलाओं में होने वाले सर्वाइकल कैंसर, स्तन कैंसर, गर्भाशय कैंसर तथा ओरल कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के खतरे को काफी हद तक कम करने में सहायक है।

स्वास्थ्य विभाग ने क्षेत्र के सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे अपनी 9 से 14 वर्ष आयु की बेटियों को यह टीका अवश्य लगवाएं। विभाग ने स्पष्ट किया कि यह वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित, प्रभावी और वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित है।

बिंता पीएचसी में आयोजित इस विशेष टीकाकरण अभियान को सफल बनाने में स्थानीय ग्रामीणों, मितानिनों, स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले तथा स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सामूहिक प्रयासों से दूरस्थ क्षेत्र में भी स्वास्थ्य जागरूकता और बेटियों की सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

धरमगढ़ सेवा सहकारी समिति में 37 लाख रुपए की अवैध धान खरीदी का खुलासा

कवर्धा।

कलेक्टर गोपाल वर्मा के निर्देश पर जिले के उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी एवं भंडारण व्यवस्था की सघन जांच लगातार जारी है। इसी क्रम में खाद्य विभाग द्वारा धरमगढ़ सेवा सहकारी समिति में जांच के दौरान बड़े पैमाने पर अनियमितता सामने आई है। प्रारंभिक जांच में लगभग 1200 क्विंटल धान, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 37 लाख रुपए है, का कागजों में अवैध खरीदी किया जाना पाया गया है। मामले को गंभीर वित्तीय अनियमितता मानते हुए संबंधितों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने की तैयारी की जा रही है।

कलेक्टर गोपाल वर्मा ने धान खरीदी प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही एवं गड़बड़ी पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि शासन की खरीदी व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा अनियमितता पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जांच के दौरान समिति प्रबंधक ललित सेंगर एवं ऑपरेटर राजकुमार ठाकुर की उपस्थिति में धान के बोरे का भौतिक सत्यापन किया गया। इस दौरान एक बोरे का वजन मात्र 24.800 किलोग्राम पाया गया, जबकि निर्धारित मानक के अनुसार वजन अधिक होना चाहिए था। इससे धान खरीदी, तौल एवं भंडारण प्रक्रिया में गंभीर गड़बड़ी की पुष्टि हुई। जांच टीम द्वारा रिकॉर्ड एवं भौतिक भंडारण का मिलान करने पर दस्तावेजों और वास्तविक उपलब्धता में अंतर पाया गया। अधिकारियों ने मौके पर विस्तृत जांच कर प्रतिवेदन तैयार किया है। मामले में समिति प्रबंधक ललित सेंगर तथा ऑपरेटर राजकुमार ठाकुर के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। जांच दल में खाद्य अधिकारी चन्द्रशेखर देवांगन, सहायक खाद्य अधिकारी दलेश्वर साहू, खाद्य निरीक्षक अमित द्विवेदी, अनामिका ठाकुर, निधि वर्मा, सहकारिता निरीक्षक प्रवेश तिवारी सहित अन्य अधिकारी शामिल रहे। प्रशासन द्वारा जिले के अन्य उपार्जन केंद्रों में भी जांच अभियान जारी रखने की बात कही गई है।

जशपुर का काजू बना किसानों की समृद्धि की नई पहचान

स्वाद, गुणवत्ता और बढ़ती मांग ने बदली हजारों किसानों की तकदीर

7800 किसान जुड़े काजू उत्पादन से, देश के कई राज्यों तक पहुंच रही जशपुर की मिठास

जशपुर।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जशपुर जिला खेती और बागवानी के क्षेत्र में लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है। पारंपरिक खेती के साथ अब किसान नगदी एवं फल फसलों की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। सेब, नाशपाती, स्ट्रॉबेरी और काजू जैसी फसलें ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती दे रही हैं। इनमें काजू उत्पादन किसानों के लिए आय का मजबूत और भरोसेमंद साधन बनकर उभरा है।

काजू की खेती से मजबूत हो रही ग्रामीण अर्थव्यवस्था

जिला प्रशासन, उद्यान विभाग, रीड्स और नाबार्ड के संयुक्त प्रयासों से जिले में काजू उत्पादन का दायरा तेजी से बढ़ा है। वर्तमान में जिले के लगभग 7800 किसान करीब 7800 एकड़ भूमि पर काजू की खेती कर रहे हैं। अधिकांश किसान अपने एक-एक एकड़ खेत में काजू की खेती कर बेहतर आय अर्जित कर रहे हैं।

काजू उत्पादन ने न केवल किसानों की आमदनी बढ़ाई है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आत्मनिर्भरता के नए अवसर भी पैदा किए हैं।

जशपुर काजू की देशभर में बढ़ रही मांग

जशपुर में उत्पादित काजू अपनी मिठास, गुणवत्ता और बेहतरीन स्वाद के कारण खास पहचान बना चुका है। यही वजह है कि इसकी मांग छत्तीसगढ़ के अन्य जिलों के साथ-साथ झारखंड, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली जैसे राज्यों में लगातार बढ़ रही है। व्यापारियों और उपभोक्ताओं के बीच जशपुर काजू की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। गुणवत्ता के मामले में जशपुर का काजू बाजार में अपनी अलग पहचान बना चुका है।

बागवानी के क्षेत्र में नई पहचान बना रहा जशपुर

जशपुर में काजू उत्पादन की यह सफलता किसानों की मेहनत, आधुनिक खेती तकनीकों और शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का परिणाम है। जिले में फल एवं नगदी फसलों की बढ़ती खेती अब किसानों के जीवन में समृद्धि ला रही है और जशपुर को कृषि एवं बागवानी के क्षेत्र में नई पहचान दिला रही है।

लाभदायक नगदी फसल के रूप में उभरा काजू

काजू किसानों के लिए एक अत्यंत लाभदायक नगदी फसल साबित हो रही है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार ग्राफ्टेड पौधों से जल्दी फल प्राप्त होते हैं और उत्पादन भी अधिक मिलता है।

बेहतर उत्पादन के लिए आवश्यक देखभाल

शुरुआती वर्षों में नियमित सिंचाई जरूरी होती है।

काजू से मिल रहे अनेक आर्थिक लाभ

काजू का उपयोग मिठाई, नमकीन और ड्राई फ्रूट के रूप में बड़े पैमाने पर किया जाता है। इसके साथ ही काजू के छिलकों से औद्योगिक तेल भी तैयार किया जाता है, जिससे किसानों को अतिरिक्त आय का अवसर मिलता है। काजू के व्यापार और निर्यात से किसानों की आर्थिक स्थिति लगातार मजबूत हो रही है।

खरपतवार नियंत्रण और समय-समय पर छंटाई से उत्पादन बेहतर होता है।
पौधे 3 से 4 वर्ष बाद फल देना शुरू करते हैं।
8 से 10 वर्षों में पूर्ण उत्पादन प्राप्त होता है।
एक विकसित पेड़ से औसतन 8 से 15 किलोग्राम तक काजू प्राप्त किया जा सकता है।

रोपण के लिए अनुकूल समय और विधि

वर्षा ऋतु में पौध रोपण सबसे उपयुक्त माना जाता है।
पौधों के बीच लगभग 7 से 8 मीटर की दूरी रखी जाती है।
गड्ढों में गोबर खाद और मिट्टी मिलाकर पौधे लगाए जाते हैं।

हृदय रोगियों के लिए वरदान बनी एनकेएच की कैथलैब सुविधा

कोरबा में पहली बार 3 मरीजों में सफल एआईसीडी प्रत्यारोपण

अब स्थानीय स्तर पर हो रहा उन्नत हृदय उपचार

कोरबा (दिव्य आकाश)।

शहर के सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल एनकेएच में कैथलैब सुविधा शुरू होने के बाद हृदय रोगियों को बड़े शहरों जैसी अत्याधुनिक चिकित्सा सेवाएं स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध होने लगी हैं। इससे गंभीर मरीजों को रायपुर या अन्य महानगरों में उपचार के लिए भटकना नहीं पड़ रहा और समय पर इलाज मिलने से जीवन रक्षा आसान हो रही है।

भीषण गर्मी, अनियमित खान-पान और बदलती जीवनशैली के कारण इन दिनों हृदय संबंधी समस्याओं के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। कई लोग सीने में जलन, गैस, अपच और बेचैनी को सामान्य समस्या समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, जबकि कई मामलों में ये

जिले की पहली कैथ लैब सुविधा शुरू होने से अब हृदय रोगियों का समग्र उपचार-डॉ. चंदानी

एनकेएच ग्रुप के डायरेक्टर डॉ. एस. चंदानी ने बताया कि जिले की पहली कैथलैब सुविधा शुरू होने से अब कोरबा में ही हृदय रोगों का समग्र और उन्नत उपचार संभव हो गया है। इससे मरीजों का समय, धन और अनावश्यक परेशानी बच रही है, वहीं गंभीर परिस्थितियों में तत्काल उपचार मिलने से बेहतर परिणाम भी सामने आ रहे हैं।

हार्ट अटैक के शुरुआती संकेत साबित हो रहे हैं। पिछले सप्ताह एनकेएच में 15 से अधिक हृदय रोगी पहुंचे, जिनका विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में तत्काल उपचार किया गया।

रायपुर से आने वाले कार्डियोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. सतीश सूर्यवंशी एवं डॉ. एस.एस. मोहंती की टीम द्वारा मरीजों की जांच के बाद 5 मरीजों की एंजियोप्लास्टी और 5 मरीजों की एंजियोग्राफी की गई। इसके अलावा एक मरीज में सफलतापूर्वक पेसमेकर प्रत्यारोपित किया गया। विशेष उपलब्धि के रूप में कोरबा में पहली बार अब तक 3 मरीजों में एआईसीडी (ऑटोमेटिक इम्प्लांटेबल कार्डियोवर्टर डिफिब्रिलेटर) प्रत्यारोपण भी सफलतापूर्वक किया जा चुका है।

क्या है एआईसीडी

एआईसीडी एक छोटा इलेक्ट्रॉनिक उपकरण है, जिसे छाती में प्रत्यारोपित किया जाता है। यह हृदय की धड़कनों पर लगातार नजर रखता है और खतरनाक अनियमित धड़कन या अचानक हृदय गति रुकने की स्थिति में विद्युत झटका देकर दिल की सामान्य लय बहाल करता है। यह उपकरण कई मरीजों के लिए जीवनरक्षक साबित होता है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार मई माह में कैथलैब में 17 मरीजों की एंजियोग्राफी, 12 मरीजों की एंजियोप्लास्टी तथा एक मरीज का पेसमेकर प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक किया गया। कैथलैब सुविधा शुरू होने के बाद से अब तक एनकेएच में 400 से अधिक एंजियोग्राफी और 200 से ज्यादा एंजियोप्लास्टी की जा चुकी हैं।

संस्कृत विषय बचाओ अभियानः घोषणा को अमल में लाने संस्कृत शिक्षकों ने शिक्षा मंत्री को सौंपा ज्ञापन

कोरबा (दिव्य आकाश)।

प्रदेश अध्यक्ष दौलत राम साहू के नेतृत्व में संघ के पदाधिकारी नोयन कुमार बुडेक, मनोज कुमार वर्मा, डॉ नारायण प्रसाद, गंगाराम साहू, हेमंत कुमार हिरवानी, दुर्गेश कुमार साहू, कुलेश्वर प्रसाद, दिनेश मंडावी, सुनील महार, ईश्वरी यदु कामिनी पिल्लई, रेणुका लदेर, शारदा साहू, सुरेखा सेन, सोमप्रभा साहू सहित प्रदेश के पांच शिक्षा संभाग के शिक्षक एवं शिक्षिकाएं भारतीय संविधान में आठवीं अनुसूची की भाषा एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना के अनुरूप संस्कृत विषय के संवर्धन एवं संरक्षण हेतु उल्लेख किया गया है को ध्यान में रखते हुए गजेंद्र यादव शिक्षा मंत्री द्वारा 30 अप्रैल को विधानसभा से घोषणा किया गया कि संस्कृत भाषा को अनिवार्य कर रहे हैं, जिनका लघु चलचित्र सोशल मीडिया पर बहुत प्रसारित हैं।

इसे देख सुनकर प्रदेश भर के संस्कृत शिक्षकों में शासन की सौहार्द्रपूर्ण निर्णय से हर्ष की लहर है। संस्कृत भारतीय ज्ञान परंपरा, सभ्यता और संस्कार परक एक राष्ट्रभाषा है, जिनमें सनातन संस्कृति पूर्ण रूप से समाहित है। संघ के पदाधिकारियों द्वारा 10 मई एवं 26 मई 2026 को नवा रायपुर स्थित एम -14 आवास में शिक्षा मंत्री से मुलाकात कर घोषणा के धरातल पर क्रियान्वयन के लिए शीघ्र अति शीघ्र शासकीय आदेश जारी करवाने हेतु मांग पत्र सौपा, जिससे शिक्षक आश्वस्त हो जावे तथा मंत्री द्वारा संस्कृत विषय को अनिवार्य करने विभागीय अधिकारी को निर्देश दिए यह शिक्षकों के लिए बहुत बड़ा पुरस्कार है, किन्तु आज पर्यन्त कोई कार्यवाही नहीं हुई है। पदाधिकारियों ने आगे बताया कि इस पावन कार्य के लिए निरंतर प्रदेश के जिला शिक्षा अधिकारी, जिला कलेक्टर, विधायकगण, वित्त मंत्री, उच्च शिक्षा मंत्री, विधानसभा अध्यक्ष डॉक्टर रमन सिंह, उपमुख्यमंत्री अरूण साव, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय , राज्यपाल रमेन डेका , संचालक लोक शिक्षण संचालनालय, मुख्य सचिव छत्तीसगढ़ शासन, सचिव स्कूल शिक्षा विभाग, संचालक राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, सचिव छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल, सचिव सहायक संचालक छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्या मण्डलम्, प्रदेश संयोजक व अध्यक्ष अधिकारी कर्मचारी फेड़रेशन कमल वर्मा, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, डॉ अतुल कोठारी राष्ट्रीय सचिव शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली, आयुक्त राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा सहित 50 से भी अधिक आवेदन बारंबार संस्कृत विषय को पूर्व की भांति अनिवार्य करने तथा नवीन व्यावसायिक शिक्षा को सातवें विषय के रूप में रखने के लिए मांग पत्र ज्ञापन सौपा गया था। 25 अगस्त 2025 को शिक्षा मंत्री की समीक्षा बैठक में एससीईआरटी रायपुर को कक्षा छठवीं से लेकर कक्षा दसवीं का संस्कृत विषय को अनिवार्य करने निर्देशित भी किया गया था। इसी क्रम में 07 सितंबर 2025 को सरयू पारिण भवन मठपुरेना में आयोजित विराट संस्कृत विद्वत सम्मेलन में उपस्थित मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह को भी मांग पत्र सौपा गया था। वहां पर अध्यक्ष ने अपने उद्बोधन में कहा कि संस्कृत संकल्प का विषय है विकल्प का नहीं। संस्कृत भाषा के साथ अन्याय नहीं होगा। एक तरफ पूरा विश्व संस्कृत भाषा के महत्व को अपना रहा है। अपने देश के विद्यालय, महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालयों में संस्कृत भाषा को अनिवार्य शिक्षा कर रहे हैं तथा अनुच्छेद 351 आठवीं अनुसूची की भाषाओं के सम्मान के लिए बनाया गया है।

युवक की आवश्यकता है
(रिसेप्शनिष्ट)
संपर्क करें -
Snookyard Café
प्रथम मंजिल, अंकिता कॉम्पलेक्स
सुभाष चौक, निहारिका, कोरबा
मो.: 79997-72254
वेतन आकर्षक

अहिल्याबाई होलकर जयंती पर रिसदी में प्रतिमा पर माल्यार्पण, भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया नमन

कोरबा (दिव्य आकाश)।

इतिहास प्रसिद्ध समाजसेविका, कुशल प्रशासक, न्यायप्रिय शासक एवं महिला सशक्तिकरण की प्रतीक लोकमाता पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होलकर की जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी जिला कोरबा द्वारा रिसदी स्थित उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि एवं माल्यार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी सहित भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओ ने अहिल्याबाई होलकर के आदर्शों, सुशासन, जनसेवा और समाज कल्याण के क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान को स्मरण किया। कार्यक्रम में आरएसएस के जिला कार्यवाहक कैलाश नाहक, डॉ. मनोज कुमार झा, हेमंत मोहलीकर, बालकृष्ण ठाकुर, जिला महामंत्री अजय विश्वकर्मा, जिला कोषाध्यक्ष अजय पांडेय, जिला उपाध्यक्ष योगेश जैन, रूक्मणी नायर, वरिष्ठ भाजपा नेता विकास अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष डॉ राजेश राठौर, जिला मीडिया प्रभारी अर्जुन गुप्ता, कुलसिंह कंवर, सरजू अजय, प्रकाश अग्रवाल, राजेश लहरे, संजीव शर्मा, संजय राठौर व मोंटी पटेल सहित भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल हुए।

न्यायप्रियता और दूरदर्शिता की प्रतिमूर्ति थीं लोकमाता अहिल्याबाई होलकर - कैलाश नाहक

आरएसएस के जिला कार्यवाहक कैलाश नाहक ने कहा की अहिल्या बाई होल्कर जी

लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के आदर्श आज भी समाज को दे रहे नई दिशा : गोपाल मोदी

इस अवसर पर गोपाल मोदी ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होलकर भारतीय इतिहास की ऐसी महान शासिका थीं, जिन्होंने सेवा, सुशासन, न्याय और जनकल्याण के क्षेत्र में अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने महिलाओं को सम्मान और आत्मनिर्भरता का मार्ग दिखाते हुए समाज में सशक्त नेतृत्व की मिसाल कायम की। उनका संपूर्ण जीवन राष्ट्र, धर्म और समाज की सेवा के लिए समर्पित रहा।

उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई होलकर ने देशभर में मंदिरों, धर्मशालाओं, घाटों और जनहित के अनेक निर्माण कार्यों के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं सनातन परंपराओं के संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके आदर्श आज भी समाज को नई दिशा देने का कार्य कर रहे हैं तथा जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों के लिए प्रेरणा स्रोत बने हुए हैं।

राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक क्षेत्र में एक महान प्रेरणास्रोत थीं। उन्होंने अपने युवा काल में ही लाठी चलाना, तलवारबाजी, कूटनीति, विदेश नीति और शासन-प्रशासन की बारीकियों का गहन ज्ञान प्राप्त कर लिया था। अपनी अद्भुत नेतृत्व क्षमता, दूरदर्शिता और न्यायप्रियता के बल पर उन्होंने समाज में एक आदर्श शासक के रूप में पहचान बनाई। उन्होंने भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहरों के संरक्षण के लिए उल्लेखनीय कार्य किए। मुगलों और अंग्रेजों द्वारा खंडित एवं ध्वस्त किए गए मंदिरों के पुनर्निर्माण हेतु उन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों में 350 से अधिक मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया। उनका जीवन समाजसेवा, धर्म संरक्षण और जनकल्याण के प्रति समर्पण का अनुपम उदाहरण है, जो आज भी युवा पीढ़ी को प्रेरणा देता हैं।

कांग्रेस में नियुक्तियां

गजानंद प्रसाद साहू बने पुनः कांग्रेस ओबीसी के शहर जिलाध्यक्ष

राजेश पुनः ग्रामीण जिलाध्यक्ष

कोरबा (दिव्य आकाश)।

छत्तीसगढ़ में प्रदेश कांग्रेस कमेटी ओबीसी प्रकोष्ठ ने कई जिलों में जिलाध्यक्षों की नियुक्ति की है। कोरबा शहर से गजानंद प्रसाद साहू को दोबारा मौका दिया गया है। ग्रामीण जिलाध्यक्ष के रूप में भी राजेश मानिकपुरी को दोबारा नियुक्ति दी गई है। कांग्रेस संगठन ने बेहतर कार्य करने एवं संगठन की मजबूती के लिए अपनी पूरी ऊर्जा लगा देने वाले गजानंद प्रसाद साहू एवं राजेश मानिकपुरी को पुनः शहर एवं ग्रामीण जिलाध्यक्ष बनाया गया है।

संगठन की मजबूती के लिए प्रयास करते रहूंगा-गजानंद प्रसाद साहू

कांग्रेस पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष शहर के रूप में पुनः नियुक्ति होने के बाद नवनियुक्त जिलाध्यक्ष गजानंद प्रसाद साहू ने कहा कि संगठन ने मुझे दोबारा अवसर दिया है, इसके लिए प्रदेश अध्यक्ष सहित वरिष्ठ नेताओं का आभार जताया। श्री साहू ने कहा कि संगठन ने जो मुझे दोबारा अवसर दिया है, उसमें मैं 100 प्रतिशत खरा उतरने का प्रयास करूंगा और संगठन की मजबूती के लिए हमेशा प्रयास टीम भावना के साथ करता रहूंगा।

कांग्रेसियों में हर्ष:दी गई बधाई

जिला कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के शहर जिलाध्यक्ष गजानंद प्रसाद साहू एवं ग्रामीण जिलाध्यक्ष राजेश मानिकपुरी की नई नियुक्ति के बाद कांग्रेसियों में हर्ष है और वरिष्ठ कांग्रेसजनों सहित कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

महापौर रहते 15 साल पहले जोगियाडेरा में जिस सड़क को लखन ने बनवाई, अब वे ही उसे संवार रहे

कोरबा (दिव्य आकाश)।

नगर पालिक निगम कोरबा के स्लम बाहुल्य वार्ड क्र. 18 स्थित जोगियाडेरा व पीपरापारा बस्ती में 90 लाख रूपये की लागत से डामरीकरण का कार्य रविवार को प्रारंभ किया गया, उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने उक्त कार्य का भूमिपूजन किया तथा तत्काल कार्य प्रारंभ कर कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान के देने के साथ ही समयसीमा में कार्य को पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। इस मौके पर वार्ड पार्षद नरेन्द्र देवांगन, पार्षद चन्द्रलोक सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

जोगियाडेरा वह बस्ती है, जो पहले भी उपेक्षित था और अब भी उपेक्षित रहा, लेकिन लखन लाल देवांगन ने इस उपेक्षित स्लम बस्ती की सुध ली। 15 साल पहले जब वे महापौर थे तो उन्होंने उपेक्षित जोगियाडेरा में विकास की रोशनी बिखेरी और 15 साल बाद मंत्री के रूप में संवार रहे हैं।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा निगम क्षेत्र में किये जा रहे लगातार विकास कार्यो की एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में निगम के वार्ड क्र. 18 स्थित जोगियाडेरा व पीपरापारा बस्ती में 90 लाख रूपये की लागत से सड़क डामरीकरण कार्य होने जा रहा है, जिसका भूमिपूजन रविवार को प्रदेश के

उद्योग, सार्वजनिक उपक्रम, आबकारी व श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन के द्वारा किया गया, उन्होंने कार्य हेतु विधिवत पूजा अर्चना की, भूमिपूजन पट्टिका का अनावरण किया तथा कार्य प्रारंभ किये जाने के निर्देश अधिकारियों व निर्माण एजेंसियों को दिये। उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि कार्य के दौरान गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखें तथा नियत समय पर कार्य पूरा करायें।

हमने बनाया है-हम ही संवारेंगे

वार्ड पार्षद नरेन्द्र देवांगन ने इस मौके पर कहा कि हमारी सरकार का मानना है कि हमने छत्तीसगढ़ को बनाया है और हम इसे संवारेंगे, और यह नारा केवल कागज तक ही सीमित नहीं है, बल्कि पूरे प्रदेश में राज्य को संवारने, संजाने के प्रमाण प्रत्यक्ष रूप से दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन जब कोरबा नगर निगम के महापौर थे, तब मेरे वार्ड की इन सड़कों का निर्माण किया गया था, अत्यंत शुभ दिन है कि आज इतने बर्षो बाद उन्हीं के हाथों इस सड़क का जीर्णोद्धार व सड़क डामरीकरण का कार्य कराया जा रहा है, उन्होंने कहा कि पूर्व में ऐसा भी समय था जब इसी वार्ड में 04 लाख रूपये का कार्य कराने के लिये एक वार्ड पार्षद के रूप में 08 माह तक संघर्ष करना पड़ा था, किन्तु आज सभी वार्डो में करोड़ों के विकास कार्य बड़ी सहजता के साथ संपादित हो रहे हैं।

भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान वार्ड पार्षद नरेन्द्र देवांगन व पार्षद चन्द्रलोक सिंह के साथ ही नारायण सिंह ठाकुर, प्यारेलाल साहू, एच.के.डेनियल, शिव चौहान, दीनू यादव, आशीष द्विवेदी, कृष्णा द्विवेदी, जोन कमिश्नर अखिलेश शुक्ला, देवेन्द्र स्वर्णकार, चंदन मजूमदार, अनिल यादव, अजय महंत, समीर महंत, रामकुमारी मानसर, रामप्रसाद सिदार, बीना डेनियल, संतोष पटेल, सुनीता राव, पुष्पा श्रीवास, प्यारेलाल साहू, पावर दास महंत, बली यादव, ईश्वरी महंत, मूलचंद पटेल, चिंतामणी साहू, जोहन पटेल आदि के साथ काफी संख्या में बस्तीवासी उपस्थित थे।

मेरे महापौर कार्यकाल में बनी थी सड़क, आज हो रहा उसका जीर्णोद्धार

उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने अपने उद्बोधन में कहा कि जोगियाडेरा पीपरापारा बस्ती की यह सड़क मेरे महापौर कार्यकाल में बनाई गई थी, मुझे खुशी है कि आज 20-22 वर्ष बाद इस सड़क का जीर्णोद्धार व डामरीकरण का कार्य मेरे द्वारा प्रारंभ कराया जा रहा है, मैं इसके लिये बस्तीवासियों को बधाई देता हूँ तथा उन्हें विश्वास दिलाता हूँ कि उनकी सभी समस्याओं का समाधान अनिवार्य रूप से किया जायेगा। उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन अपने उद्बोधन में आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अगुवाई में राज्य का तेजी से विकास हो रहा है, हमारी सरकार खोखले वायदें नहीं करती तथा हमारे द्वारा जो भी वायदें किये जाते हैं, वह अवश्य पूरे होते हैं, इसका प्रत्यक्ष प्रमाण हमारे छत्तीसगढ़ की वर्तमान सरकार द्वारा किये जा रहे कार्य हैं। उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में हमारी सरकार ने अल्प समय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सभी गारंटियों को पूरा कर अपनी वचनबद्धता प्रदर्शित की है। उन्होंने कहा कि डॉ.रमन सिंह 15 वर्षो तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे, प्रदेश में विकास की गंगा बहाई तथा विकास पुरूष के रूप में छबि अर्जित की, अब पुन: मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के द्वारा प्रदेश में विकास की गंगा बहाई जा रही है, राज्य के नागरिकों के दुख-दर्द दूर किये जा रहे हैं, उनकी समस्याओं का त्वरित निदान हो रहा है।

स्वामी , प्रकाशक ,मुद्रक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े द्वारा मे. डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, नर्मदा कोल्ड्रिंक के पास बिलासपुर से मुद्रित कर प्रेस क्लब भवन के सामने रिकाण्डो रोड कोरबा से प्रकाशित संपादक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े मो.नं.-98266-47851 आरएनआई नंबर CHHHIN/2010/47078 Email :-divyaakash.news@gmail.com